वर्षः 7- अंकः 180, मुंबई, मंगलवार, 12 सितंबर, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

पत्नी ने दी पति के कत्ल की सुपारी

दो लाख में कराया मर्डर

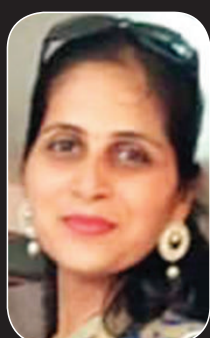

औरंगाबाद। शहर के सातारा इलाके में हुई बैंक मैनेजर की हत्या के मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। हत्या के आरोप में अरेस्ट हुई पत्नी ने बताया है कि उसने ही पति के सो जाने के बाद हत्यारों के लिए दरवाजे खोले थे। जिसके बाद हत्यारे कमरे में घुसे और बैंक ऑफिसर जीतेंद्र नारायण होल्कर का मर्डर कर आराम से घर से फरार हो गए। बता दें कि जीतेंद्र की हत्या शुक्रवार देर रात उनकी वाइफ ने 2 लाख रुपए की सुपारी देकर करवाई थी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पत्नी ने खोला घर का दरवाजा

भाग्यश्री ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार देर रात तकरीबन डेढ़ बजे तौसीफ और शेख भाग्यश्री के घर के बाहर पहुंचे। उनके आने की आहट सुन भाग्यश्री ने दरवाजा खोल दिया। इसके बाद दोनों आरोपी आराम से कमरे में घुसे और शक न हो इसलिए भाग्यश्री को एक-दूसरे कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद वे जीतेंद्र के कमरे में घुसे और उसका गला रेत उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद वे आराम से घर से फरार हो गए।

स्पोर्ट्स बाइक बनी बड़ा सुराग

हत्या शुक्रवार देर रात हुई, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी शनिवार सुबह दी गई। इसके बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू की तो सामने वाले घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में एक स्पोर्ट्स बाइक से भागते हुए दो लोग नजर आए। 5 दिन पहले की सीसीटीवी फुटेज की जांच में भी वह स्पोर्ट्स बाइक जीतेंद्र के घर के बाहर खड़ी नजर आई। इसके बाद पुलिस ने बाइक के नंबर को ट्रेस किया तो पता चला कि वह बाइक नेता किरण गनोरे की है। पुलिस ने किरण को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ शुरू तो कुछ ही देर में किरण ने सभी राज उगल दिए। किरण की निशानदेही पर ही भाग्यश्री, तौसिफ और शेख को अरेस्ट किया गया है।

48 घंटे ही जिया 13 साल की रेप विक्टिम का बेटा

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

फर्जी बाबाओं की असली पहचान

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

कंगना की फिल्म 'सिमरन' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

गंदगी फैलाने वालों को वंदे मातरम कहने का हक नहीं : प्रधानमंत्री

सफाई का काम करने वालों को ही वंदे मातरम बोलने का हक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की 125वीं वर्षगांठ और बीजेपी विचारक दीनदयाल उपाध्याय के जन्मशती समारोह के मौके पर राजधानी दिल्ली में विज्ञान भवन में छात्रों के एक सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने इस भाषण में कई अहम बातें कहीं। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

'वंदे मातरम' का सियासी इस्तेमाल कर रही है बीजेपीः मायावती

लखनऊ। बीएसपी अध्यक्ष मायावती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बीजेपी पर वन्दे मातरम का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत के उचित आदर-सम्मान को बरकरार रखा जाना चाहिए। मायावती ने एक बयान में स्वामी विवेकानन्द के शिकागो में दिए गए भाषण के 125 साल के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से युवाओं को संबोधित किए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। मायावती ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने पहले तो चुनावी स्वार्थ को पूरा करने के लिए वन्दे मातरम का इस्तेमाल किया और अब इसे एक राजनीतिक नारे के रूप में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण और देश के लिए चिन्ता की बात है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

अब सरकारी राशन दुकानों पर भी मिलेंगे छोटे गैस सिलेंडर

मुंबई। राज्य में सरकारी राशन दुकानों पर अब पांच किलो के छोटे गैस सिलेंडर मिलेंगे। राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस संबंध में शासनादेश जारी किया है। इसके मुताबिक केंद्र सरकार की तरफ से राज्य को मिलने वाले अनुदानित केरोसिन के कोटे में लगातार कटौती की जा रही है। इस कारण राज्य सरकार को अनुदानित केरोसिन ग्राहकों को उपलब्ध करा पाना संभव नहीं हो पा रहा। इसके मद्देनजर अब छोटे सिलेंडर और फ्री-सेल केरोसिन (सफेद केरोसिन) उपलब्ध कराने का फैसला किया गया है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

मंत्री 15 सितंबर तक साबित करें अपनी उपयोगिता: फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंत्रियों को अपनी उपयोगिता और योग्यता साबित करने के लिए 15 सितंबर तक का वक्त दिया है। मंत्रियों को इस तारीख तक उनके द्वारा मंत्री के रूप में लिए जनहितकारी फैसलों की जानकारी मुख्यमंत्री को देनी होगी। खबर है कि मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने सभी मंत्रियों को इस बारे में कई सख्त हिदायतें भी दी हैं। इसके बाद मंत्रालय में यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि फडणवीस खुद को मोदी समझने लगे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री द्वारा सख्त हिदायतों के साथ मंत्रियों से मांगी गई जानकारी को राज्य मंत्रिमंडल के संभावित विस्तार से जोड़कर भी देखा जा रहा है। 15 सितंबर के इस अल्टिमेटम के पीछे यह कहानी भी बताई जा रही है कि नवरात्र के बाद राज्य मंत्रिमंडल का संभावित विस्तार होने की संभावना

है। वैसे भी 31 अक्टूबर को फडणवीस सरकार अपने कार्यकाल के 3 वर्ष पूरे कर रही है। मंत्रियों के इसी रिपोर्ट कार्ड के आधार पर फडणवीस सरकार अपने 3 साल पूरे होने का प्रचार विज्ञापन तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री की मंत्रियों को हिदायतें

-बताओ कि तीन साल में मंत्री के रूप में क्या खास काम किया।

-बताओ कि पिछली सरकार की तुलना के तुम्हारे काम कैसे श्रेष्ठ हैं।

-बताओ कि तुम्हारे काम से जनता के जीवन में क्या बदलाव आया है।

-यह सारी जानकारी तुलनात्मक आंकड़ों के साथ मिलनी चाहिए।

-अधूरी और अपर्याप्त जानकारी स्वीकार नहीं की जाएगी।

- 15 सितंबर के बाद आने वाली जानकारी स्वीकार नहीं की जाएगी और यह मान लिया जाएगा कि कुछ काम नहीं किया गया है।

कांग्रेस नेता की विधवा को जान से मारने की धमकी

भिवंडी। कांग्रेस के दिवंगत नेता मनोज म्हात्रे की हत्या के मुख्य सूत्रधार प्रशांत म्हात्रे ने उनकी विधवा नगरसेविका वैशाली म्हात्रे एवं उनकी लड़की हर्षदा के साथ गाली गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। नगरसेविका को मिली इस धमकी के बाद शांतिनगर पुलिस ने प्रशांत म्हात्रे सहित पांच लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन उनका परिवार काफी डरा हुआ है। वैशाली म्हात्रे ने पुलिस से परिवार की सुरक्षा की मांग की है। लगभग आठ महीने पहले 14 फरवरी की शाम कांग्रेस नगरसेवक मनोज म्हात्रे के घर के पास ही उनके चचेरे भाई प्रशांत म्हात्रे सहित अन्य लोगों ने मिलकर उनकी हत्या कर दी थी। इस मामले में नारपोली पुलिस ने प्रशांत म्हात्रे सहित लगभग एक दर्जन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। लेकिन, हाईप्रोफाइल इस हत्या कांड की जांच बाद में ठाणे के अपराध अंवेषण विभाग को सौंप दी गई थी। इसके बाद पुलिस ने प्रशांत म्हात्रे सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया था और प्रशांत व विश्वपाल को शनिवार की दोपहर को भिवंडी की अदालत में हाजिर किया था। अदालत में मनोज म्हात्रे की पत्नी वैशाली व उनकी लड़की हर्षदा भी आई थी। प्रशांत ने अदालत परिसर में ही उन्हें धमकी देते हुए कहा कि 'तू नगरसेविका चुनकर आयी है, तुम्हारी ताकत ज्यादा बढ़ गई है। यदि मुझे सजा हुई तो जमानत पर आने के बाद तुम्हें और तुम्हारी लड़की को जान से मार दूंगा।'

दो बिल्डिंगों पर झुकी बिल्डिंग, 60 परिवारों से खाली कराए गए ठिकाने

ठाणे। रविवार रात को जल्दबाजी में मुंब्रा स्थित तीन बिल्डिंगों को खाली करवाया गया। एक 25 साल पुरानी बिल्डिंग अन्य दो बिल्डिंगों पर झुकने लगी, जिसकी वजह से आनन-फानन में इनमें रहने वाले करीब 60 परिवारों को बाहर निकाला गया।

यहां रहने वाले लोगों ने बताया कि प्रशासन पहले ही कोलीवाडा स्थित पारसिक फुटहिल्स की रिद्धी पैलेस बिल्डिंग को खतरनाक की श्रेणी में रख चुका था, हालांकि वॉर्ड के अधिकारी इसकी पुष्टि करने के लिए मौजूद नहीं थे।

रविवार देर रात जब रद्धी पैलेस की बिल्डिंग आरके निवास और कमल निवास नामक बिल्डिंगों पर झुकने लगीं तो लोगों ने तुरंत दमकल दल और आपदा प्रबंधन इकाई को सूचना दी। भिंडी बाजार में हाल में हुसैनी बिल्डिंग के ढह जाने जैसा मामला

फिर न हो जाए, यही सोचते हुए जल्द से जल्द 20 परिवारों को यहां से निकलने के लिए कहा गया। बाद में आरके निवास से 17 और परिवारों को और कमल निवास के 19 परिवारों को बिल्डिंग खाली करने को कहा गया। इन सभी लोगों के रहने की व्यवस्था पास के हॉल में की गई। आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख संतोष कदम ने बताया कि रिद्धी पैलेस बिल्डिंग काफी खराब हालत में थी। ठाणे में कुल 68 बिल्डिंगें ऐसी हैं, जिन्हें 1 कैटिगरी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि उन्हें तुरंत खाली करवाकर तोड़ा जाना चाहिए। इन 68 बिल्डिंगों में से 57 को खाली करवाया जा चुका है और 1 सितंबर तक 25 को तोड़ा जा चुका है।

बीजेपी विधायक अमित साटम ने की फेरीवालों से मारपीट

मुंबई। अंधेरी(पश्चिम) से विधायक अमित साटम पर फेरीवालों से मारपीट का आरोप है। रविवार को दिनभर सोशल मीडिया में वायरल हुए विडियो में साटम फेरीवालों को मारते और गाली देते नजर आए। वह पुलिस द्वारा फेरीवालों पर कार्रवाई न करने को लेकर भी उग्र नजर आए। फेरीवालों ने पिटाई के बाद विधायक पर एफआईआर दर्ज करने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। कई फेरीवालों ने हस्ताक्षर कर लिखित शिकायत जुहू पुलिस से की है। आजाद हॉकर यूनियन के दयाशंकर सिंह ने बताया. 'यदि एफआईआर नहीं होती तो हम पुलिस स्टेशन पर मोर्चा निकालेंगे।' प्रभावित फेरीवाले ने बताया कि विधायक के कुछ सुरक्षारक्षक उनके पास आए, इसके कुछ देर में ही साटम आए और उन्हें गालियां देकर धक्का-मुक्की करने लगे। उनके सुरक्षा गार्ड द्वारा मारे जाने से एक फेरीवाले के कान का पर्दा फट गया। फेरीवाले ने बताया, 'उसे हमने अस्पताल में भर्ती करा दिया है। हम न्याय की मांग कर रहे हैं। हमने 'हफ्ता' नहीं दिया, इसलिए हमारे साथ ऐसा किया गया।' विधायक अमित साटम ने अपनी सफाई में कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी रोड के किनारे अवैध रूप से गैस सिलेंडर का इस्तेमाल हो रहा है, इस पर कार्रवाई न कर उन्हें बलि का बकरा बनाया जा रहा है। वह बोले, 'यदि मैंने जो नहीं किया है, उसके लिए भी मुझ पर मामला दर्ज किया जा रहा है तो उससे पहले संबंधित डीसीपी और पुलिस इंस्पेक्टर पर भी मामला दर्ज हो।' गौरतलब है कि जुहू में अवैध सिलेंडर में विस्फोट के चलते 7 लोगों की जान चली गई थी।

मुख्यमंत्री का कोई जवाब नहीं

अमित साटम ने पिछले दो दिन में फेरीवालों के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। उन्होंने ट्विटर पर मुंबई पुलिस, बीएमसी और मुख्यमंत्री को भी टैग किया। बीजेपी विधायक द्वारा मामले में हस्तक्षेप के अनुरोध पर भी मुख्यमंत्री की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में नगरसेवक रहे साटम बीजेपी के टिकट पर उनकी छवि कामकाजी और पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली मानी जाती रही है। युवा साटम को अंधेरी के पॉश इलाकों में भी समर्थन मिलता रहा है। अंधेरी की राजनीति में एक-दूसरे के आमने-सामने रहे जाधव और साटम में कई समानताएं भी हैं। जाधव की बेटी और साटम के रिश्तेदार हाल में बीएमसी में बतौर नगरसेवक चुने गए हैं। दोनों खुद भी पहले नगरसेवक रह चुके हैं। कांग्रेस के अशोक जाधव को हराकर वे इस बार विधानसभा पहुंचे हैं। राजहंस सिंह के बाद जाधव का मन भी कांग्रेस से टूटने की अंदरखाने खबर चल रही है। कभी शिवसैनिकों से लोहा लेने वाले जाधव विधानसभा किस पार्टी के सहारे लड़ते हैं, इस पर सभी की नजर है। जाहिर है अंधेरी की राजनीति में भी आने वाले दिनों में नया समीकरण देखने को मिल सकता है।

रिहायशी कॉलोनी में घुसा तेंदुआ और सोते हुए कुत्ते का किया शिकार

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में एक कॉलोनी है टेकवुड सोसायटी। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से बेहद करीब होने के चलते, कॉलोनी में तेंदुओं का आ जाना आम बात है। रहवासी भी इसके आदि हो चुके हैं। लेकिन पिछले दिनों सोसायटी में जो हुआ उससे रहवासियों में खौफ का माहौल है। दरअसल इलाके से एक सीसीटीवी फुटेज सामने आई है जिसमें तेंदुआ गली में घूमने वाले एक आवारा कुत्ते का शिकार कर रहा है। कैमरे में रिकॉर्ड फुटेज के मुताबिक घटना 5 सितंबर की सुबह 4 बजे की है। उस समय यह तेंदुआ एक गली के सामने घूम रहा था। वहीं पर एक कुत्ता जमीन पर सो रहा था। इसने दबे पांव पहुंच कर कुत्ते पर हमला कर दिया। कुत्ते को वहीं मारने के बाद वह उसके मृत शरीर को जबड़े में फंसाकर जंगल की ओर लेकर भाग गया। हैरान करने वाली बात ये

है कि अमूमन तेंदुआ अंधेरे का फायदा उठाकर ही शिकार करने आता था। लेकिन इस दफे रोशनी होने के बावजूद तेंदुआ न सिर्फ आया बल्कि शिकार भी कर गया। हालांकि घटना के दौरान गली में आसपास कोई इंसान मौजूद नहीं था। अब ये वीडियो पूरे वाट्सएप्प और दूसरी सोशल नेटवर्किंग साइट पर तेजी से वायरल हो रहा है। ठाणे वन विभाग ने घटना की जानकारी लगते ही इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

वन विभाग ने घटना से डरने के बजाए अलर्ट रहने की सलाह दी है। दोबारा तेंदुआ दिखाई देने के हालात में जानकारी देने भी कहा है। वहीं रहवासियों के अनुसार अब तो वो कॉलोनी में तेंदुआ या दूसरे जंगली जानवर देखने के आदी हो चुके हैं, इसलिए उन लोगों के बीच किसी भी तरह की दहशत नहीं है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व), मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9769659975** कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

48 घंटे ही जिया 13 साल की रेप विक्टिम का बेटा

अबॉर्शन न होने पर हुई थी डिलिवरी

मुंबई। यहां के जेजे हॉस्पिटल में मां बनी 13 साल की रेप विक्टिम के नवजात की मौत हो गई। शुक्रवार को लड़की की सिजेरियन डिलिवरी कराई गई थी। उसने एक बेटे को जन्म दिया, लेकिन डिलिवरी के 48 घंटे बाद रविवार को बच्चे की मौत हो गई। डॉक्टर्स ने बताया कि डिलिवरी प्रीमेच्योर थी, इसलिए बच्चे का वजन सिर्फ 1.8 किलो ही निकला। बता दें कि पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने प्रेग्नेंसी के 32वें हफ्ते में विक्टिम को अबॉर्शन की इजाजत दी थी। तब चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा ने ऑर्डर में कहा कि विक्टिम की उम्र और उसकी तकलीफ को

ध्यान में रखते हुए हमने ये फैसला लिया है। खबर के मुताबिक, बच्चे के अंग पूरी तरह से डेवलप नहीं हो पाए थे। इसीलिए डॉक्टर्स ने उसे नियोनैटल इंटेनसिव केयर यूनिट (एनआईसीयू) में रखा गया था, लेकिन रविवार को बच्चे की हालत बिगड़ने लगी और ऑक्सीजन हटाकर उसे वेंटिलेटर पर रखा गया। बता दें कि जन्म के वक्त भारत में बच्चे का एवरेज वजन 2.5 किग्रा होता है।

हॉस्पिटल के एक सीनियर डॉक्टर ने बताया कि अभी हम कुछ नहीं कह सकते हैं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही मौत की वजह साफ हो सकेगी। दूसरी ओर, डिलिवरी के बाद रेप विक्टम की हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उसका इलाज कर रहे गायनेकोलॉजिस्ट अशोक आनंद ने बताया कि पूरी तरह से ठीक होने पर ही लड़की को डिस्चार्ज किया जाएगा। डॉक्टर्स ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, पहले अबॉर्शन की कोशिश की थी। इस दौरान उन्होंने देखा कि ऐसा करना विक्टिम के लिए खतरा हो सकता है। आखिर में उन्होंने सिजेरियन ऑपरेशन करने का फैसला किया।

मेडिकल रिपोर्ट पर अबॉर्शन की मंजूरी दी थी कोर्ट ने

चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा की अगुआई वाली बेंच ने मेडिकल टीम की रिपोर्ट को आधार मानते हुए अबॉर्शन को मंजूरी दी थी। जेजे हॉस्पिटल के बोर्ड ऑफ डॉक्टर्स की तरफ से विक्टिम की प्रेग्नेंसी मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने हॉस्पिटल अथॉरिटी की देखरेख में 8 सितंबर तक अबॉर्शन करने के आदेश दिए थे। ये भी कहा कि बच्ची को एक दिन पहले एडमिट किया जाए। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) के सेक्शन (3) (2) के मुताबिक, प्रेग्नेंसी के 20वें हफ्ते से ज्यादा होने पर अबॉर्शन गैरकानूनी है। बच्ची के प्रेग्नेंट होने की जानकारी तब मिली थी, जब उसके पेरेंट्स अपनी बेटी के शरीर में हो रहे बदलावों और बढ़ते मोटापे के इलाज के लिए एक लेडी डॉक्टर के पास गए। जांच के बाद पता चला था कि लड़की प्रेग्नेंट है। इसके बाद पीड़िता के माता-पिता ने 20वें हफ्ते में अबॉर्शन की परमिशन के लिए सुप्रीम कोर्ट में गुहार लगाई। मुंबई में रहने वाली 7वीं क्लास की विक्टिम ने बताया था कि उसके पिता के साथ काम करने वाले शख्स ने ही उसके साथ रेप किया था।

शिवसेना नेता का खुलासा

सुप्रिया सुले को कैबिनेट में शामिल करने चाहते थें मोदी

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद एव शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले को लेकर बड़ा खुलासा किया है। राउत ने दावा किया है, शरद पवार से मुलाकात के दौरान पवार ने राउत को बताया कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुप्रिया को अपने मंत्री मंडल में शामिल करना चाहते थे, लेकिन उसने इससे इनकार कर दिया। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र सामना में इसका खुलासा किया है। हाल ही में केंद्रीय मंत्रीमंडल का विस्तार किया गया इसको लेकर संजय राउत ने 10 सितंबर के सामना में लेख लिखा है। इस लेख में सांसद राउत ने एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले को लेकर दावा किया कि, मोदी सुले को मंत्रीमंडल में शामिल करने इच्छुक थें।

संजय राउत ने लिखा है कि, हाल ही मेरी एनसीपी प्रमुख शरद पवार से मुलाकात हुई। इस दौरान हमारे बीच देश की राजनीति को लेकर चर्चा हुई। उस समय मैंने उनसे पूछा कि, क्या आप बीजेपी ज्वाइन कर रहे हैं? इस पर पवार ने कहा कि, यह अफवाह हैं। इस तरह की खबरे मूर्खता का शिखर है। लेकिन पवार ने यह भी स्पष्ट किया कि, एक बार पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि, सुप्रिया मेरे मंडल में शामिल होनी चाहिए। इस पर सुप्रिया सुले ने कहा था कि, वह बीजेपी में शामिल होने वाली एनसीपी की सबसे आखिरी कैंडिडेट होगी।

कांग्रेस ने मुंबई में लॉन्च किया अपना प्रोफेशनल्स विंग

मुंबई। कांग्रेस द्वारा हाल ही में पेशेवर लोगों जैसे वकील, डॉक्टर, इंजिनियर, सीए आदि उच्च शिक्षित समुदाय से खुद को जोड़ने और उन्हें राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनाने के लिए 'ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस' (एआईपीसी) नाम से एक नया विभाग खोला है। इसके मुंबई विंग का रविवार को उद्घाटन किया गया। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने इस नए विभाग की जिम्मेदारी पांच युवा और उच्च शिक्षित कांग्रेस नेताओं को सौंपी है। उन्होंने कांग्रेस नेता शशी थरूर को इसका अध्यक्ष और मिलिंद देवड़ा को इसका उपाध्यक्ष बनाया है। मुंबई विंग का उद्घाटन कांग्रेस प्रवक्ता संजय झा ने किया। उन्होंने कहा कि लोगों की तरफ से उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली, जो वाकई में अभूतपूर्व थी। मुंबई विंग में कॉरपोरेट मैनेजर, वकील, उद्योगपति, सीईओ से लेकर चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रोफेसर आदि शामिल हैं। झा ने दावा किया कि कई लोगों ने स्थानीय मुद्दों पर चिंताएं जताईं और कहा कि वे एआईपीसी आंदोलन में इसलिए शामिल हुए क्योंकि एक उभरते ध्रुवीकृत समाज और नफरत भरे माहौल से काफी व्यथित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अगले कुछ हफ्तों में एआईपीसी के और विंग भी खोले जाएंगे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।

(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरंत संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)

(9619102478)

फुटबॉल फेस्टिवल मनाएंगे स्टूडेंट

मुंबई। फीफा अंडर-17 विश्व कप के आयोजन को देखते हुए प्रदेश में दस लाख विद्यार्थी फुटबॉल मैच खेल कर फुटबॉल फेस्टिवल मनाएंगे। राज्यभर के सभी स्कूलों में 15 सितंबर को विद्यार्थी फुटबॉल मैच खेल कर फुटबॉल फेस्टिवल में हिस्सा लेंगे। पूरे प्रदेश में फुटबॉलमय माहौल बनाने की तैयारी राज्य सरकार के खेल विभाग की है। इसके लिए सरकार ने फुटबॉल मिशन 1 मिलियन का नारा दिया है। फीफा अंडर-17 विश्व कप के मद्देनजर सरकार ने प्रदेश के सभी स्कूलों को स्कूल परिसर में सेल्फी पॉइंट बनाने को कहा है। प्रदेश सरकार के खेल विभाग के मुताबिक राज्य में एसएससी, सीबीएसई, आईसीएसई, आईजीसीएसई और आईबी पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले 24 हजार 752 स्कूलों में खेल का मैदान उपलब्ध है।

चैरिटी कमिश्नर को चढ़ावे का हिसाब नहीं देना चाहता मंडल, जाएगा कोर्ट

मुंबई। सुप्रसिद्ध लाल बाग के राजा गणेश मंडल धर्मदाय आयुक्त (चैरिटी कमिश्नर) के आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती देगा। इस बार गणेशोत्सव के दौरान धर्मदाय आयुक्त कार्यालय ने दो अधिकारियों की नियुक्ति की थी। ये अधिकारी लालबाग राजा गणेश पंडाल में मौजूद रह कर चढ़ावे में मिली रकम पर नजर रखते थे। पर मंडल को धर्मदाय आयुक्त कार्यालय का यह आदेश नहीं भाया है। लालबाग के राजा गणेश मंडल के अध्यक्ष सुधीर सालवी ने बताया कि धर्मदाय आयुक्त का नोटिस कानून के खिलाफ है। हम इसको हाईकोर्ट में चुनौती देंगे। सोमवार को हाईकोर्ट में याचिका दायर की जाएगी। सालवे ने कहा कि गणेशोत्सव शुरू होने के दो दिन पहले हमें धर्मदाय आयुक्त कार्यालय का नोटिस मिला। उस वक्त व्यस्त होने की वजह से हम इस नोटिस को चुनौती नहीं दे सके। इस बीच मंडल ने चढ़ावे में मिले आभूषणों की नीलामी कर दी है। साथ ही चढ़ावे में मिली रकम को ट्रस्ट के बैंक खाते में जमा कर दिया गया है। सालवी कहते हैं कि हमें धर्मदाय आयुक्त कार्यालय द्वारा दो अधिकारी नियुक्त किए जाने पर ऐतराज नहीं है लेकिन यह नियम सिर्फ हमारे मंडल के लिए क्यों।

नोट गिनने के लिए बुलाते हैं बैंक कर्मी

सालवी का कहना है कि हर साल मीडिया के सामने चढ़ावे में मिली रकम की गिनती की जाती है। नोट गिनने के लिए हम बैंक कर्मचारियों को बुलाते हैं। चढ़ावे की रकम में हम पूरी तरह पारदर्शिता बरतते हैं। इसलिए हमें धर्मदाय आयुक्त कार्यालय के इस कदम पर आश्चर्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे गणेशोत्सव के दौरान धर्मदाय आयुक्त कार्यालय के दो अधिकारी हमारे पंडाल में मौजूद रहते थे। हमने उन दोनों अधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें हर तरह से सहयोग दिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

स्मार्ट कदम

केंद्र सरकार ने देश के जिन 100 शहरों का चयन स्मार्ट सिटी के रूप में किया है, उनमें रांची पहली ग्रीन फील्ड स्मार्ट सिटी होगी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के हाथों तकरीबन 7000 करोड़ रुपये की इस परियोजना का भूमि पूजन कराकर राज्य सरकार ने राजधानी के कोर कैपिटल एरिया को स्मार्ट बनाने की दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया है। इसे विकास की ओर झारखंड सरकार के बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। इससे इतर जबतक वर्तमान रांची की सूरत नहीं बदलती, स्मार्ट सिटी की परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। उपराष्ट्रपति की भी चिंता कमोबेश इसी बात को लेकर है। रांची में दिए गए उनके 35 मिनट के भाषण का मूल संदेश भी यही है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि 100 स्मार्ट सिटी भी बन जाए तो यह देश के लिए तबतक लाइट हाऊस ही रहेगा, जबतक कि देश का हर शहर स्मार्ट न बन जाए। यह कार्य सिर्फ राज्य सरकारों के बूते ही नहीं होगा, हर तबका को इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना होगा। सही भी है, राज्य बनने के 17 वर्ष बाद भी झारखंड के शहर बुनियादी सुविधाओं के राष्ट्रीय बेंचमार्क पर काफी पीछे हैं। यहां आज भी महज पांच फीसद मेडिकल वेस्ट का ही निस्तारण हो रहा है। 77.56 फीसद घरों से कचरा का उठाव नहीं हो रहा, 66.49 फीसद गंदगी सड़कों के किनारे पड़ी रहती है। मुश्किल से एक चौथी शहरी आबादी तक ही पाइप लाइन के जरिए जलापूर्ति हो रही है। कर्मचारियों की घोर कमी से राज्य के शहरी निकाय बदहाल हैं। निकायों के आय स्रोत की बात करें तो अपनी आय से वह अपने कर्मियों को वेतन तक देने में सक्षम नहीं है। हालांकि धीरे-धीरे स्थितियां सुधर रही हैं। शहरी सुविधाओं के स्थापित मानकों तक पहुंचने की दिशा में प्रयास जारी है। समय से पूर्व राज्य के शहरों को ओडीएफ किए जाने की तैयारी है। लगभग हर शहर का मास्टर प्लान तैयार हो चुका है, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का डीपीआर बन चुका है, स्लम बस्तियों के उन्नयन पर सरकार का फोकस है। प्रस्तावित स्मार्ट सिटी की बात करें तो यह बेहतर स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तायुक्त शिक्षा, 24 घंटे विद्युतापूर्ति और जलापूर्ति, अच्छी और चौड़ी सड़कें, नो व्हीकल जोन, हाई स्पीड वाईफाई जोन, एनर्जी एफीसिएंट लाइट, वाटर हार्वेस्टिंग, सौर ऊर्जा, इको पार्क आदि का नमूना होगा। इस पैटर्न पर अन्य शहरों को भी ले जाने का संकल्प सरकार ने बार-बार दोहराया है। जरूरत है तो बस इस संकल्प पर खरा उतरने के ईमानदार प्रयास करने की।

अधर में अटके रोहिंग्या मुसलमान

दुनिया का भूक्षेत्र बहुत बड़ा है और इस्लामी अंतरराष्ट्रीयता का भी, लेकिन रोहिंग्या मुसलमानों के लिए कहीं कोई जगह नहीं। संप्रति हजारों रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा पर नोमैन्स लैंड में बांग्लादेश में घुसने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वे बेघरबार हैं, व्यथित हैं, लेकिन अवांछित हैं। भारत में ही लगभग चालीस हजार रोहिंग्या मुसलमान शरणार्थी हैं। वे जम्मू, कश्मीर, हैदराबाद, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा और तमिलनाडु तक फैले हुए हैं। वे कभी पहले पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) से म्यांमार गए थे। म्यांमार उन्हें अपने यहां के 135 मूल समूहों में नहीं मानता। बांग्लादेश को उन्हें अपना जानकर स्वीकार करना चाहिए, लेकिन बांग्लादेश भी लेने को तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख व्यक्त किया है कि लोग उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं भी हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों और आतंकी संगठनों की साठगांठ से भारत पहले से ही पीड़ित रहा है। सो गृह राज्यमंत्री किरण रिजिजू ने उन्हें अवैध शरणार्थी कहा है। भारत या म्यांमार ही नहीं बांग्लादेश सहित दुनिया का कोई भी मुल्क उन्हें लेने को तैयार नहीं है। समस्या बड़ी है और चिंताजनक भी। यूरोपीय देशों में भी इस्लामिक स्टेट की हिंसा से भागे हजारों पीड़ितों को शरण देने की समस्या देखी गई है।

शरणार्थी समस्या नई नहीं है। इसी उपमहाद्वीप में 1971 में इससे भी बड़ी शरणार्थी समस्या थी। 1970 में अविभाजित पाकिस्तान में पूर्वी पाकिस्तान की सघन आबादी ने पश्चिमी पाकिस्तान के प्रति गुस्सा दिखाया। सेना पूर्वी पाकिस्तान को लेकर आक्रामक थी। तीन लाख से ज्यादा लोग मारे गए थे। चार लाख बांग्लादेशी महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुए थे। तब लाखों शरणार्थी भारत आए। भारत ने उन्हें प्यार दिया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पश्चिमी देशों की यात्रा की। उन्होंने पश्चिमी देशों से बांग्लादेश में पाकिस्तानी अत्याचार रोकने के लिए दबाव बनाया। यक्ष प्रश्न है कि अब दुनिया का कोई भी देश मुसलमानों को शरण देने के लिए तैयार क्यों नहीं है? सिर्फ 46 बरस पहले ही बांग्लादेशी शरणार्थियों को हर तरह की मदद देने वाले भारत में अब बांग्लादेशी रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर कठोरता क्यों है? इसका सीधा उत्तर यही है कि गुजरे 30-35 बरस में ही जिहादी आतंकवाद ने सामान्य मुसलमानों को भी अपने समूह में शामिल कर लेने का दावा किया है। इसके दोषी आतंकी समूह और उन्हें संरक्षण देने वाली सरकार ही है।

मानव सभ्यता के इतिहास में यह शर्मनाक घटना है। पंथ के आधार पर किसी को श्रेष्ठ या हीन नहीं कहा जा सकता, लेकिन इस्लामी संगठनों ने इस्लामी श्रेष्ठता, इस्लामी स्टेट राज्य की खातिर रक्तपात की ही अपरिहार्यता का प्रचार किया है। आतंकी संगठनों का मूल विचार मजहबी राज्य या इस्लामी स्टेट ही है। इन संगठनों की दृष्टि में जो उनकी बात न माने उसकी हत्या ही एकमात्र विकल्प है। जिहाद की अनेक परिभाषाएं हैं, लेकिन विश्व लोकमत के जेहन में मजहबी राज्य की स्थापना के लिए युद्ध करना ही जिहाद है। आतंकी संगठनों के मजहबी नाम बड़े प्यारे हैं? आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद अल इस्लामी का मतलब पवित्र इस्लाम के लिए सक्रियता है। अलकायदा भी खूबसूरत मजहबी नाम है। लश्कर ए तैयबा और जैश ए मोहम्मद को क्या कहेंगे? इस्लामिक स्टेट का आतंक आकाशचारी है ही। ऐसे तमाम रक्तपाती संगठनों के बीच आम मुसलमान की छवि खो गई है। इसीलिए दुनिया के किसी भी देश के पीड़ित मुसलमानों को कोई भी देश शरण देने को तैयार नहीं है।

भारत में सभी विचार और आस्थाओं के प्रति आदरभाव रहा है। भारतीय समाज और सभ्यता का विकास दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण में हुआ है। यहां इंडोनेशिया छोड़ पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित सभी

इस्लामी देशों से ज्यादा मुस्लिम आबादी स्वयं को सुरक्षित मानती है, लेकिन बीते तीन-चार दशक से आतंकी, जिहादी वारदातों के चलते भारत के बहुसंख्यक समाज में असुरक्षा बोध बढ़ा है। अमेरिका भी बड़े आतंकी हमले के बाद आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर अतिरिक्त सतर्क रहा है। यूरोपीय देशों में भी ऐसा ही वातावरण है। कट्टरपंथी आतंकी संगठनों समूहों ने विश्व मुस्लिम समुदाय को अन्य समुदायों से अलग थलग कर दिया है। उन्हें शंका की दृष्टि से देखा जा रहा है। सभी मनुष्य जन्मतः मनुष्य हैं। वे अपने विश्वास के कारण ही ईसाई, इस्लामी, यहूदी या हिंदू होते हैं। सभ्यता और संस्कृति के आदर्श उन्हें संवेदनशील मनुष्य बनाते हैं, लेकिन आतंकी संगठनों ने सभी मुसलमानों का नुकसान किया है। कट्टरपंथी संगठन उदार और प्रगतिशील मुसलमानों को सच्चा मुसलमान नहीं मानते। वे विज्ञान और दर्शन के निष्कर्ष भी स्वीकार नहीं करते। सारी दुनिया आकाश नाप रही है, लेकिन वे मध्ययुगीन मान्यताओं से ही चिपके हुए हैं। भारत ने उत्कृष्ट जीवन मूल्यों को अपनाया था। उसने 1971 में लाखों बांग्लादेशी लोगों को शरण दी। बाद में आतंकी संगठन खुलकर खेले। पड़ोसी देश ने आतंकी प्रशिक्षण शिविरों के संस्थान चलाए। संसद पर हमला हुआ। निर्दोष बच्चों और महिलाओं को भी मारा गया। इस विचारधारा ने भारत के मन को भी घायल किया है। रोहिंग्या मुसलमानों का मामला सर्वोच्च न्यायालय में भी है। न्यायालय ने केंद्र से जवाब मांगा है। न्यायालय से कहा गया है कि इस बीच सरकार उन्हें देश से न निकाले जाने का आश्वासन दे। कोर्ट ने अंतरिम रोक की मांग नहीं मानी है। जम्मू कश्मीर में रहने वाले 6,000 रोहिंग्या मुसलमानों की ओर से अलग मुकदमा भी दायर है। दोनों मामलों की सुनवाई विचाराधीन है। मसला मानवीय दृष्टिकोण का है। रोहिंग्या मुसलमानों ने भी कहा है कि भारत से निकाले जाने पर उनकी मौत पक्की है। वे बांग्लादेश या म्यांमार नहीं भारत में ही खुद को सुरक्षित मान रहे हैं। यह स्वाभाविक है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में भी रक्तपात है। वे मुसलमान होकर भी मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में असुरक्षित हैं और बहुसंख्यक हिंदू देश में भी स्वयं को सुरक्षित मान रहे हैं।

आधुनिक तकनीक ने दुनिया को छोटा बनाया है। भारत पर सभी निगाहें हैं। भारतीय संस्कृति और दर्शन सर्वाधिक प्रचीन हैं भी। अमेरिका शक्ति संपन्न है, लेकिन सभ्यता की समझ चिंताजनक है। 24 बरस पहले 1993 में अमेरिकी चिंतक हंटिंगटन ने द क्लैश ऑफ सिविलाइजेशन नाम से किताब लिखी थी। वह लिखते हैं सर्व ब्रिटेनवाद की जगह अब सर्व अमेरिकीवाद युग आ गया है। इस्लाम की जनसंख्या का विस्फोट हुआ है। उन्होंने क्रिस्टोफर डाउसन को उद्धृत किया है कि ह्यबड़े पंथों के आधार पर ही बड़ी सभ्यताएं टिकी हैं। लेकिन सच ऐसा नहीं है। इस्लाम और ईसाइयत के विश्वासीजनों की संख्या बड़ी है, लेकिन कोई सभ्यता पंथिक मजहबी संख्या बल के आधार पर ही श्रेष्ठ नहीं होती। ईसाई, यहूदी और इस्लाम अनुयायी एक ही सामी परंपरा के हैं। तीनों युद्धरत रहते हैं। सभ्यताएं नहीं लड़तीं। बर्बरता ही रक्त पिपासु होती हैं। रोहिंग्या मुसलमानों की समस्या कट्टरपंथी मजहबी संगठनों की देन है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि बेघरबार लोग भी अपनी पहचान के कारण दो गज जमीन के लिए तरस रहे हैं।

यह कैसी मानसिकता

देवभूमि हिमाचल में बेटियों का तिरस्कार न केवल शर्मनाक है बल्कि समाज की सोच पर भी सवाल खड़े करता है। बेटे-बेटी के अंतर को पाटने के तमाम अभियान व प्रयासों का परिणाम उस समय शून्य हो जाते हैं, जब बेटियों के तिरस्कार के मामले सामने आते हैं। देवभूमि कुल्लू घाटी में मानवीय संवेदनाएं एक बार फिर से तार-तार हुई हैं, यहां एक पिता ने लालन-पालन करने के डर से अपनी सवा साल की बच्ची को मरने के लिए नदी में फेंक दिया। घटना पांच सितंबर की है, सरवरी नदी की सफाई के दौरान कुछ महिलाओं को नदी के बीच चट्टानों में फंसी एक मासूम नजर आई। उस समय बच्ची की सांसें चल रही थीं। महिलाएं उसे कुल्लू अस्पताल ले गईं लेकिन मासूम को बचाया नहीं जा सका। मामले की तफ्तीश शुरू हुई तो किसी को इस पर यकीन ही नहीं हुआ कि एक पिता ने ही अपनी बच्ची को ढूबसजदा ही नदी में फेंक दिया था। आरोपी की पत्नी और बच्ची की मां कुछ दिन पहले ही अपना घर छोड़कर मायके चली गई थी। तीन बच्चों में यह बच्ची सबसे छोटी संतान थी, पिता को इसका पालन-पोषण भारी लग रहा था, लिहाजा उसने ऐसा कदम उठाया। एक पिता इस तरह क्रूर हो सकता है यह कोई सोच भी नहीं सकता है। ऐसा क्यों है कि अब भी लोग बेटी के जन्म को स्वीकार नहीं कर पाते। बेटी के जन्म की खबर मिलने पर चेहरे की खुशी अचानक गायब होने लगती है। बेटे के जन्म का जश्न मनाया जा ता है तो बेटी के जन्म पर क्यों ऐसा नहीं किया जाता। पुरुष प्रधान समाज की मानसिकता से निकलने का हौसला कब आएगा, इस सवाल का जवाब मिलना भी मुश्किल है। बेटियों ने हर मुकाम पर अपने आप को साबित कर दिखाया है। बेटों को प्राथमिकता देने के चलन में उन्हें मौके ही नहीं मिलेंगे तो वे कैसे खुद को साबित कर पाएंगी। सरकारी स्तर पर चले बेटी है अनमोल, मेरी लाडली व बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों की सार्थकता ही क्या रह जाती है जब तक लोगों की सोच में बदलाव नहीं होता। बेटियों को देवी का दर्जा तभी मिल सकेगा, जब उन्हें देवी माना भी जाएगा। अगर उन्हें यूं ही तिरस्कार मिलता रहेगा तो देवभूमि की छवि धूमिल होती रहेगी।

टोल मांगने पर स्थानीय नेता की गुंडागर्दी

टोल मैनेजर पर चाकुओं से किया हमला

मुंबई। शहर की शान कहे जाने वाले बांद्रा-वर्ली सी लिंक ब्रिज पर एक शिवसेना कार्यकर्ता से टोल टैक्स मांगना एक टोल मैनेजर को महंगा पड़ गया। अचानक कार रोकने से नाराज शख्स ने अपने फ्रेंड के साथ टोल मैनेजर पर घूसों और चाकुओं से हमला कर दिया। पुलिस ने इस मामले में मारपीट का केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। हमले का वीडियो टोल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना 10 सितंबर की शाम लगभग 5 बजे की है। बांद्रा वर्ली सी लिंक पर मैनेजर किरण चव्हाण ड्यूटी दे रहे थे। तभी एक इनोवा कार (MH 04 FF 1414) वहां पहुंची। नियम के हिसाब से किरण ने बैरियर को डाउन किया और कार चला रहे शिवसेना कार्यकर्ता राहुल रेगे (25) से टोल मांगा। अचानक बैरियर डाउन करने से कार में बैठा राहुल का दोस्त पलेश्वेर चव्हाण (25) नाराज हो गया और वह कार से बाहर आकर किरण से मारपीट करने लगा। मामला इस कदर बढ़ा कि पल्लेश्वर ने चाकू निकाल किरण पर हमला बोल दिया। इस हमले में किरण की किडनी में गंभीर चोट लगी। जिसके बाद टोल कर्मचारियों ने उसे मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में एडमिट करवाया है। किरण पर हुए हमले की पूरी वारदात टोल पर लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई। इस वीडियो फुटेज में दोनों आरोपी बुरी तरह से मैनेजर पर हमला करते हुए नजर आ रहे हैं।

दोनों आरोपी अरेस्ट हुए

इसके बाद टोल इंचार्ज ने इस मामले में मुंबई के बांद्रा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करवाया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों राहुल और पलेश्वेर चव्हाण को आईपीसी की धारा 323, 326, 504, और 34 के तहत अरेस्ट कर लिया है। पुलिस इन्हें अरेस्ट कर बांद्रा पुलिस स्टेशन ले गई। जहां कुछ शिवसैनिकों ने इन्हें छोड़ने को लेकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है लेकिन वारदात में इस्तेमाल चाकू अभी तक बरामद नहीं हो सका है। माना जा रहा है कि आरोपियों ने इसे समुद्र में फेंक दिया है। आरोपी राहुल रेगे के पिता बिजनेसमैन हैं। वह पार्टटाइम में कंप्यूटर की पढ़ाई कर रहा था। शिवसेना के साथ बतौर कार्यकर्ता जुड़ा हुआ है। हालांकि, इस मामले में विवाद बढ़ने पर शिवसेना ने खुद को इससे अलग करते हुए कहा है कि, ऐसे लोग शिवसेना कार्यकर्ता नहीं हो सकते। इससे पहले भी टोल कर्मियों के साथ मारपीट की घटना सामने आ चुकी है। कुछ दिनों पहले ग्रेटर नोएडा में नेशनल हाईवे नंबर 91 पर कुछ उपद्रवियों ने टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट की थी।

हाईवे पर पुलिस इंस्पेक्टर पर चली गोलियां

हमलावरों ने उड़ाई कार

पुणे। सोलापुर-पुणे हाईवे पर सुबह 6 बजे एक पुलिस इंस्पेक्टर पर अज्ञात हमलावरों ने गोलियां चलाई। इस हमले में इंस्पेक्टर गंभीर रुप से घायल हुआ है। हमलावर उसकी कार लेकर भाग निकले। यह हमला लूट के इरादे या पुरानी रंजिश के चलते किया है इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है। घायल इंस्पेक्टर को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दौंड तालुका के नानवीज पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में तैनात पुलिस निरीक्षक महेश निलगंजी (51) सुबह पुणे सोलापुर हाईवे से अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से जा रहे थे। उनके पीछे से एक एर्टिगा कार आई उसमें तीन लोग सवार थे। उसमें से एक ने कहा कि, आपके गाड़ी की पिछले टायर की डिस्क खराब हुई है। इंस्पेक्टर ने डिस्क देखने के लिए कार रोकी और नीचे उतरने लगा, उसी समय उन तीनों में से एक ने उनके पैर में गोली मारी, जिससे वे नीचे गिर पड़े। इसके बाद तुरंत दूसरे हमलावर ने उनके दाए पैर पर लोहे की रॉड से वार किया। इससे वे उठ नहीं पाए। तब तक तीसरा शख्स वहां कार के पास आया और कार लेकर तीनों फरार हो गए। यवत गांव के लोगों ने उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया और पुलिस को भी इनफॉर्म किया। महेश का दो माह पहले ही दौंड तबादला हुआ है, इससे पहले वे गढचिरौली में ड्यूटी पर थे। पुलिस सुपरिटेंडेंट सुवेज हक ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पत्नी ने दी पति के कत्ल...

जीतेंद्र के मर्डर केस की जांच कर रही औरंगाबाद पुलिस ने सिर्फ 24 घंटे के भीतर ही उसकी हत्या की गुत्थी सुलझा ली। हत्या के आरोप में पुलिस ने जीतेंद्र की वाइफ भाग्यश्री होल्कर (38) को रविवार को अरेस्ट कर लिया। औरंगाबाद पुलिस के डीसीपी राहुल श्रीरामे ने बताया कि, जीतेंद्र और भाग्यश्री की शादी को तकरीबन 15 साल हो गए थे। भाग्यश्री हेल्थ डिपार्टमेंट में ऑफिसर हैं। शादी के बाद दोनों के दो बच्चे (एक बेटा, एक बेटी) भी हुए। शादी के कई सालों तक दोनों के रिश्ते मधुर चले। लेकिन कुछ महीनों पहले अचानक दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। मामला इस कदर बढ़ा कि दोनों के बीच कई बार मारपीट की नौबत भी आई। भाग्यश्री ने बताया कि जीतेंद्र अक्सर शाम को घर आकर लड़ाई और गाली-गलौच करता था। कई बार तो उसने बच्चों के सामने भी हाथ उठाया। पुलिस के मुताबिक, जीतेंद्र को भाग्यश्री के चरित्र पर संदेह था। इसलिए दोनों के बीच झगड़े हो रहे थे। इन झगड़ों से तंग आकर भाग्यश्री ने पति की हत्या की प्लानिंग बनाई। डीसीपी राहुल श्रीरामे ने बताया कि पति की हरकतों से परेशान पत्नी ने स्थानीय नेता किरण गनोरे से इस मामले में हेल्प मांगी। इसके बाद किरण और भाग्यश्री ने जीतेंद्र को रास्ते से हटाने की प्लानिंग शुरू की। तकरीबन 4 महीने पहले भाग्यश्री ने किरण को 10 हजार रुपए भी दिए थे। इसके बाद किरण ने एक 'सुपारी किलर' की तलाश शुरू की। इस तलाश के दौरान दोनों की मुलाकात तौसिफ शेख नाम के बेरोजगार युवक से हुई। शेख को 2 लाख रुपए का लालच दिया गया और वह हत्या के लिए तैयार हो गया। हत्या को अंजाम देने के लिए शेख ने पैसों का लालच देकर अपने एक साथी शेख हुसैन को तैयार किया। इसके बाद चारों ने मिलकर हत्या की प्लानिंग की।

गंदगी फैलाने वालों को वंदे मातरम...

उन्होंने सफाई पर जोर देते हुए कहा कि गंदगी फैलानेवालों को वंदे मातरम बोलने का कोई हक नहीं है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि क्या खाएं और क्या नहीं, ये हमारी परंपरा नहीं है। पीएम मोदी ने कहा, कॉलेज-युनिवर्सिटी के चुनाव में छात्र नेता कहते हैं कि हम ये करेंगे, हम वो करेंगे, लेकिन क्या उन्होंने कभी ये कहा है कि हम कैंपस साफ करेंगे। उन्होंने कहा, कॉलेज में रोज डे का मैं विरोधी नहीं हूं। केरल पंजाब दिवस मनाए और पंजाब केरव दिवस मनाए। विविधता ही हमारे देश की पहचान है। मोदी ने कहा, आज हम सफाई करें या ना करें, लेकिन गंदगी करने का हक हमें नहीं है। एक बार मैंने बोला था कि पहले शौचालय, फिर देवालय। आज कई बेटियां हैं जो कहती हैं कि शौचालय नहीं तो शादी नहीं करेंगे। मोदी ने वंदे मातरम पर कहा, यहां वंदे मातरम सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मैं पूछना चाहता हूं क्या हमें वंदे मातरम कहने का हक नहीं है? उन्होंने कहा, लोग पान खाकर भारत मां पर पिचकारी मारते हैं और फिर वंदे मातरम बोलते हैं। आज सफाई का काम करने वालों को ही वंदे मातरम बोलने का हक है। मोदी ने कहा, क्या कभी दुनिया में किसी ने सोचा था कि किसी लेक्चर के 125 वर्ष मनाए जाएंगे? मुझे गर्व होता है जब मैं किसी से कहता हूं कि मेरे देश के रवींद्र नाथ टैगोर ने पड़ोसी देश श्रीलंका और बांग्लादेश का राष्ट्रगान लिखा है। मोदी ने कहा, जब विवेकानंद ने ब्रदर्स एंड सिस्टर्स कहा था तो दो मिनट तक तालियां बजी थीं। विश्व को तब पता चला था कि लेडीज एंड जेंटलमैन के अलावा भी कुछ होता है। उन्होंने कहा, अमेरिका में ब्रदर्स ऐंड सिस्टर्स कहने पर हम नाच उठे, पर हम नारी का सम्मान करते हैं क्या? मोदी ने कहा, जो उनके भीतर मानव नहीं देख पाते, तो क्या स्वामी विवेकानंद के उन शब्दों पर ताली बजाने का हमको हक है, यह सोचने का विषय है। उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद ने अपने अल्प जीवन में दुनिया में अपनी छाप छोड़ी थी। प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की हर बात आज हमें नई ऊर्जा प्रदान करती है।

'वंदे मातरम' का सियासी इस्तेमाल कर...

मायावती ने राष्ट्रीय गीत के राजनीतिक इस्तेमाल को तत्काल बंद करने की मांग करते हुए कहा कि बीजेपी नेताओं और उनकी सरकारों की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर है। इस वजह से उनको देश की जनता को उपदेश देते रहने का कोई अधिकार नहीं रह गया है। देश के करोड़ों युवाओं को रोजगार की सख्त जरूरत है जो यह सरकार उन्हें लगातार आश्वासनों के बावजूद नहीं दे पा रही है। बीएसपी अध्यक्ष ने कहा कि देश और समाज खासकर सरकारों की अच्छी नीति और कर्मों से बनता है। लिहाजा, बीजेपी नेताओं और उनकी सरकारों को अहंकार और जन-विरोधी रवैया त्याग कर सही मायने में जनहित और जनकल्याण के लिए काम करना चाहिए।

अब सरकारी राशन दुकानों पर...

सरकार ने कहा है कि छोटे सिलेंडर व सफेद केरोसिन राशन दुकानों और केरोसिन विक्रेताओं के जरिए वितरित करने के लिए जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी राशन दुकानदार, केरोसिन विक्रेता, गैस वितरक और एसकेओ एजेंट की बैठक बुलाकर फैसला लें। एसकेओ एजेंटों पर तेल कंपनियों से सिलेंडर लेकर राशन दुकानदारों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। सरकार ने एसकेओ एजेंटों की सूची भी जारी की है। राशन दुकानदार और एसकेओ एजेंट अपने पास एक साथ पांच किलो के 20 से ज्यादा छोटे सिलेंडर नहीं रख सकेंगे।

अफगानिस्तान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा भारतः सुषमा

भारत और अफगानिस्तान ने आतंकवाद के खिलाफ सांझा लड़ाई की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री सलाउद्दीन रब्बानी और भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की मौजूदगी में दोनों देशों ने मोटर व्हीकल एग्रीमेंट समेत कुल चार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान सुषमा स्वराज ने कहा कि भारत, अफगानिस्तान के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता रहेगा, हम दोनों देश सीमा पार आतंकवाद की चुनौतियों पर काबू पाने में एकजुट रहते हैं।

दोनों देश आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से ग्रस्तः सलाहुद्दीन रब्बानी

विदेश मंत्री ने कहा कि ईरान के साथ त्रिपक्षीय सहयोग में चाबहार बंदरगाह के विकास में तेजी लाने के लिए आने वाले हफ्तों में हम अफगानिस्तान में गेहूं की आपूर्ति शुरू करेंगे। सलाहुद्दीन रब्बानी तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं इस दौरान उन्होंने कहा कि दोनों देश आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद से ग्रस्त हैं जो हमें और क्षेत्र की स्थिरता को खतरा देते हैं। मुझे यह स्पष्ट होना चाहिए कि भारत या किसी अन्य देश के साथ हमारी दोस्ती हमारे पड़ोस में दूसरों के साथ दुश्मनी नहीं है। रब्बानी ने कहा कि सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अफगानिस्तान भारत के साथ खड़ा है। भारत की मदद से अफगानिस्तान में सड़क निर्माण और अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। भारत में अफगानिस्तान की पुलिस व सैन्य अधिकारियों को भी विशेष ट्रेनिंग दी जाती है।

SC ने कहा, स्कूल ऐसा तरीका अपनाएं कि बच्चों को पढ़ने के लिए न जाना पड़े 3KM दूर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चों से स्कूल जाने के लिए तीन किलोमीटर या उससे लंबा रास्ता तय करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि शिक्षा के अधिकार को सार्थक बनाने के लिए मिडिल स्कूलों को इस तरीके से बनाए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए कि किसी भी बच्चे को केवल स्कूल जाने के लिए इतना लंबा रास्ता तय नहीं करना पड़े। न्यायालय एक ऐसे मामले पर सुनवाई कर रहा था जिसमें एक स्कूल को अद्यतन करने की अनुमति मिलने का केरल के एक स्कूल ने विरोध किया था। न्यायमूर्ति मदन बी.लोकुर और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता की पीठ ने यह पाया कि परापननगादी शहर में स्थित जूनियर प्राइमरी स्कूल से चौथी कक्षा पास करने वाले बच्चों को स्कूल जाने के लिए तीन-चार किलोमीटर या उससे भी ज्यादा लंबा रास्ता तय करना पड़ता है।

पीठ ने कहा, हम 10 से 14 आयु वर्ष के बच्चों से स्कूल जाने के लिए तीन किलोमीटर या उससे अधिक दूरी तय करने की उम्मीद नहीं कर सकते।संविधान की धारा 21ए के तहत 14 वर्ष की उम्र तक शिक्षा का अधिकार अब मौलिक अधिकार है और अगर इस अधिकार को अर्थपूर्ण बनाना है तो मिडिल स्कूलों को इस प्रकार से बनाने का प्रयास होना चाहिए कि बच्चे को स्कूल जाने के लिए तीन किलोमीटर या उससे अधिक दूर जाने

की जरूरत नहीं पड़े। स्कूल को अपर प्राइमरी स्कूल तक अद्यतन किया गया था और जून 2015 को राज्य सरकार ने स्कूल को पांचवी कक्षा से ले कर आठवीं कक्षा तक चलाने की अनुमति दे दी थी।

राज्य सरकार के इस आदेश को एक अन्य स्कूल ने उच्च न्यायालय में यह कहते हुए चुनौती दी थी कि इसमें केरल शिक्षा नियम 1959 ,के तहत किसी भी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया साथ ही उस क्षेत्र के किसी भी स्कूल को अद्यतन के संबंध में किसी भी प्रकार की आपत्ति उठाने के लिए कोई नोटिस नहीं भेजी गई। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने स्कूल की याचिका को मंजूर करते हुए राज्य के आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि कानून के तहत किसी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। अदालत ने जूनियर प्राइमरी स्कूल को स्कूल में दाखिला ले चुके बच्चों को अगले शिक्षण सत्र तक पढ़ाने की अनुमति दे दी थी और कहा था कि इस मामले में सरकार कोई निर्णय ले सकती है। इसके बाद जूनियर प्राइमरी स्कूल ने अदालत के इस निर्णय को हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी थी।

9/11: सबसे बड़े आतंकी हमले में राख हो गया था वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर कोन पर आज ही के दिन 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकी हमले को 16 साल हो गए हैं। उस हमले की टीस आज भी वहां के लोगों में जिंदा है। भले ही अब वहां सबकुछ बदल चुका है लेकिन वो भयानक लम्हा लोगों को नहीं भूलता।

11 सितंबर 2001 को संयुक्त राज्य अमरीका पर अल-कायदा द्वारा समन्वित आत्मघाती हमलों की श्रृंखला थी। आज 9/11 हमले की बरसी है। साल 2001 में अलकायदा के आतंकियों ने आज ही के दिन अमरीका में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर,पेंटागन और पेंसिलवेनिया में एक साथ हमले को अंजाम दिया था।

आतंकियों ने 4 पैसेंजर एयरक्राफ्ट हाइजैक किए थे,जिसमें 3 प्लेन सही निशाने तक पहुंचे,जबकि चौथा क्रैश हो गया था। अपहरणकर्ताओं ने जानबूझकर उनमें से दो विमानों को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, न्यूयॉर्क शहर के ट्विन टावर्स के साथ टकरा दिया,

जिससे विमानों पर सवार सभी लोग तथा भवनों के अंदर काम करने वाले अन्य लोग भी मारे गए थे। दोनों भवन दो घंटे के अंदर जमींदोज हो गए थे। इसके साथ ही आसपास की इमारतें भी नष्ट हो गई थीं।इस हमले को 19 आतंकियों ने मिलकर अंजाम दिया था। आतंकियों ने 2 पैसेंजर प्लेन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के टावर में घुसा दिए थे। करीब 1 घंटे 42 मिनट के अंदर ही 110 मंजिल वाली वाली ट्रेड सेंटर की दोनों बिल्डिंग धराशाई हो गईं। इसके बाद तीसरे प्लेन से पेंटागन पर हमला किया गया, जिसमें पेंटागन की बिल्डिंग के वेस्टर्न हिस्से को थोड़ा नुकसान पहुंचा था। वहीं, वॉशिंगटन डीसी की ओर जा रहा चौथा प्लेन पेंसिलवेनिया में स्टोनीक्रीक टाउनशिप में एक मैदान में क्रैश हो गया था। इस हमले में 400 पुलिस अफसरों और फायरफाइटर्स समेत 3000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 57 देशों के लोग शामिल थे।

बता दें कि अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन ने शुरूआत में हमले में हाथ होने से इन्कार किया, लेकिन 2004 में उसने हमले की जिम्मेदारी ले ली। इसके बाद अमरीका ने हमले का बदला लेते हुए 2 मई 2011 को पाकिस्तान के ऐबटाबाद में ओसामा को मार गिराया था।

फर्जी बाबाओं की असली पहचान

कोई होटल का दरबान तो कोई घर-घर काम करने वाली बाई। किसी ने रीयर एस्टेट से लेकर बीयर बार चलाने का अनुभव लिया। इन सबसे ऊपर एक तो ऐसा रॉक स्टार, जो खुद चमत्कार से पैदा हुआ। ऐसे में वो जो कुछ भी करेगा वो चमत्कार ही होगा सो आजकल हम जो पढ़ और सुन रहे हैं ये उसी का चमत्कार है। ये तो बाबागिरी में कॉरियर बनाने से पहले ही जेल की हवा खा चुका है वो भी अवैध हथियारों के केस में। अगर आपको इनके प्रोफाइल कम लग रहे हो तो हम ऐसे बूढ़े के बारे में बताते हैं, जिसने अपनी जवानी अपने पाखंड के लिए जमात तैयार में लगा दी इसलिए अब बुढ़ापे में खुद को जवान रखने के लिए नाबालिगों पर कहर ढ़ाने लगा। जी हां ये प्रोफाइल है टॉप मोस्ट और करोड़ों-अरबों की अकूत संपत्ति के मालिक हमारे देश के ये हाईप्रोफाइल बाबाओं की। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने बाकायदा इन्हें फर्जी करार देकर इन फर्जी बाबाओं की लिस्ट जारी की है। आइए हम आपको बताते हैं इन फर्जियों की शुरू से अब तक की पूरी कहानी....

राधे मां: खुद की देवी बताने वाली सुखविंदर कौर उर्फ राधे मां शुरू से ही विवादित रही है। बताया ये जाता है कि भक्तों की गोद में बैठने तक के पैसे लेती है। पंजाब के रुदासपुर जिले के दोरंगला गांव में जन्मीं सुखविंदर कौर पति की खराब आर्थिक हालत के चलते मुंबई में दूसरे के घरों में काम करती थीं। कुछ साल पहले इसने खुद को महंत घोषित कर लिया। आज इसी के नाम पर कमाई कर रही है। इसपर खुदकुशी के लिए उकसाने जैसे गंभीर मामले चल रहे हैं।

ओम बाबा: एक न्यूज चैनल पर बहस के दौरान मारपीट करने और टीवी रियलिटी शो 'बिग बॉस' में अपनी बेहुदा हरकतों के चलते ओम बाबा सुर्खियों में आया। टाडा आर्म्स एक्ट केस के चलते ओमजी स्वामी पांच साल जेल में सजा काट चुका है। साल 1972 में साधु का रूप धारण किया। बाबा ने बताया कि दिल्ली के मोतीबाग में कांग्रेस की सेक्रेटरी रहीं रानी प्रेमलता के यहां ही वो बाबा साधु बना। इसपर चोरी, ठगी जैसे आरोप हैं।

सचिदानंद गिरी: नोएडा और गाजियाबाद में रियल एस्टेट के साथ बीयर बार-पब जैसे कारोबार से जुड़े रहने वाले सचिन दत्ता उर्फ सचिदानंद अचानक से बाबा बन गया। आरोप है कि इन्होंने धोखे से निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर बन गया। इनके दीक्षा दिलाने के अवसर पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाए गए थे, तत्कालीन सपा सरकार के कद्दावर मंत्री शिवपाल सिंह यादव भी उसमें शरीक हुए थे।

गुरमीत राम रहीम: सिरसा के डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम हाल ही में रेप के मामले में सजा हुई है। राजस्थान के श्रीगंगानगर में जन्मे राम रहीम 1990 में डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख बना। अपने आप को चमत्कार से जन्मा बालक कहने वाले इस बाबा से रोजना नित नए चमत्कार उजागर हो रहे हैं। इसके अलावा पत्रकार और सेवादार की हत्या मामले में भी आरोप है।

आसाराम: आसाराम ने अपने धर्म की दुकान गुजरात के अहमदाबाद से शुरू की। धर्म का सहारा लेकर अरबों का साम्राज्य खड़ा किया। साल 2013 से ये नाबालिग शिष्या से रेप के आरोप में जेल में बंद है। इसपर आरोप है कि ये आशीर्वाद देने के नाम पर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण और बलात्कार करता था। हालांकि अब तक इनपर आरोप सिद्ध नहीं हो पाया हैं लेकिन तथाकथित खबरों के मुताबिक, आसाराम कम उम्र की लड़कियों को इसलिए चुनता ताकि इनके स्पर्श से जवान बना रहे।

भीमानंद महाराज: 1988 में दिल्ली के नेहरु प्लेस स्थित एक फाइव स्टार होटल में गार्ड की नौकरी करने वाले भीमानंद अचानक से बाबा बन गया। 12 साल में भीमानंद ने करोड़ों की संपत्ति बना ली थी। ये कथित बाबा सेक्स रैकेट चलाने और चीटिंग करने के आरोप में जेल जा चुका है। भीमानंद उत्तर प्रदेश के चित्रकूट के चमरौहा गांव के रहने वाले हैं। स्वामी भीमानंद खुद को साईं बाबा का अवतार बताता है। इसका असली नाम असली नाम शिव मूरत द्विवेदी है।

नारायण साईं: आसाराम के बेटे नारायण साईं भी खुद को महंत घोषित कर चुका है। नारायण साईं पर यौन शोषण और हत्या के आरोप हैं। ये भी लंबे समय तक जेल में रह चुका है।

रामपाल: स्वयं को भगवान बताने वाले रामपाल इन दिनों जेल में कैद है। हरियाणा के सोनीपत के गोहाना तहसील के धनाना गांव में पैदा हुआ रामपाल हरियाणा सरकार के सिंचाई विभाग में जूनियर इंजीनियर था। स्वामी रामदेवानंद महाराज के शिष्य बनने के बाद नौकरी छोड़ प्रवचन देना शुरू किया। बाद के दिनों में कबीर पंथ को मानने लगा और अपने अनुयायी बनाने में जुट गया। रामपाल के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज है। 2006 में रामपाल पर हत्या का केस दर्ज हुआ था।

असीमानंद: मूल रूप से पश्चिम बंगाल के हुगली के रहने वाले असीमानंद का असली नाम नब कुमार है। वे 1990 से 2007 के बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ी संस्था वनवासी कल्याण आश्रम के प्रांत प्रचारक प्रमुख रहे। इन्होंने शबरी माता का मंदिर बनाया और शबरी धाम स्थापित किया। ये अजमेर दरगाह में 2007 में हुए विस्फोट मामले में आरोपी रहे। स्वामी असीमानंद को अजमेर, हैदराबाद और समझौता एक्सप्रेस विस्फोट मामलों में 19 नवंबर 2010 को उत्तराखंड के हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया था।

निर्मल बाबा: टीवी चैनलों पर निर्मल बाबा काफी लोकप्रिय हैं। ये ऊटपटांग उपाय बताकर लोगों की समस्याएं सुलझाते हैं। झारखंड के वरिष्ठ राजनेता इंदर सिंह नामधारी के मुताबिक निर्मल बाबा उनके रिश्तेदार हैं। निर्मल बाबा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके हैं और इनपर आय से अधिक संपत्ति समेत कई मामले दर्ज है।

रक्षामंत्री का पद संभालते ही सीतारमन के सामने आई नई मुसीबत!

देश की पहली पूर्णकालिक महिला रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमन को पद संभालते ही उनके सामने नई मुसीबत आ गई। जानकारी मुताबिक अधिकारियों के प्रमोशन में कथित भेदभाव व अन्याय की शिकायत के साथ आर्मी के 100 से भी ज्यादा लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। इन अफसरों ने अपनी याचिका में कहा है कि सेना और केंद्र सरकार के इस कदम (पदोन्नति में भेदभाव) से याचिकाकताओं और अन्य अफसरों के साथ बड़ा अन्याय हुआ है। याचिका में कहा गया है कि इससे अफसरों का मनोबल गिरता है जिसका असर देश की रक्षा की भावना पर पड़ता है। याचिकाकताओं ने अपील में कहा है कि अगर सेना उन्हें समान पदोन्नति नहीं देती है तो वो इन अफसरों को सैन्य मोर्चों पर भी न तैनात करे। अधिकारियों के इस कदम से सरकार के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। याचिकाकताओं ने अपनी याचिका में आग्रह किया है कि अगर उनके साथ पदोन्नती में ऐसी ही भेदभाव हुआ और उन्हें उनका हक नहीं मिला, तो उन्हें ऑपरेशनल एरिया और युद्ध क्षेत्र में तैनात न किया जाए। सुप्रीम कोर्ट में यह संयुक्त याचिका लेफ्टिनेंट कर्नल पी के चौधरी की अगुवाई में दायर की गई। इस याचिका में कहा गया है कि सर्विसेज कोर के अफसरों को ऑपरेशनल एरियाज में तैनात किया गया है।

प्रद्युम्न हत्याकांडः पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के 2 लोगों को किया गिरफ्तार

हरियाणा में गुरुग्राम के रेयान इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा 2 के छात्र प्रद्युम्न ठाकुर की मौत मामले में पुलिस ने जेजे एक्ट के तहत प्रबंधन के दो 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। रेयान ग्रुप के नॉर्दर्न इंडिया हेड फ्रासीस थॉमस और भोंडसी स्कूल की कॉर्डिनेटर जेइस को गिरफ्तार कर सोहना कोर्ट ने दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया। इस दौरान उनको पेश करने जा रहे एसएचओ नरेंद्र यादव ने पत्रकार संजय राघव को घक्का मारा जिस कारण उनका चश्मा टूटा गया।

मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने प्रद्युम्न के पिता वरुण ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, सीबीआई, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, हरियाणा सरकार एवं राज्य के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी करके जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने इन सभी को जवाब के लिए तीन सप्ताह का वक्त दिया है।

नीतीश हलफनामा मामला: सुप्रीम कोर्ट ने ईसी को नोटिस किया

उच्चतम न्यायालय ने चुनावी हलफनामे में तथ्य छुपाने को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अयोग्य ठहराये जाने संबंधी याचिका पर आज चुनाव आयोग से जवाब तलब किया। मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने पेशे से वकील मनोहर लाल शर्मा की याचिका की सुनवाई करते हुए चुनाव आयोग को नोटिस जारी करके पूछा कि आखिर क्यों नीतीश कुमार की विधान परिषद की सदस्यता समाप्त कर दी जाये। न्यायालय ने जवाब के लिए चार हफ्ते का समय दिया है।

नीतीश के खिलाफ जांच का आदेश देने की मांग

याचिका में आरोप लगाया गया कि नीतीश ने अपने चुनावी दस्तावेजों में उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज होने की जानकारी नहीं दी। याचिका में शर्मा ने मांग की है कि बिहार के मुख्यमंत्री को विधान पार्षद पद से अयोग्य घोषित कर देना चाहिए क्योंकि उन्होंने 2004 और 2012 में चुनावी दस्तावेज जमा कराते समय आपराधिक जानकारी छुपाई। याचिका में दावा किया गया कि नीतीश ने अपने कार्यकाल की संवैधानिक ताकत के चलते 1991 के बाद से ही गैर-जमानती अपराध में जमानत तक नहीं ली और साथ ही 17 साल बाद मामले में पुलिस से क्लोजर रिपोर्ट भी फाइल करवा ली। नीतीश के खिलाफ जांच का आदेश देने की मांग भी याचिका में की गई।

चिदंबरम के बेटे को SC से झटका नहीं जा सकेंगे विदेश

उच्चतम न्यायालय ने आईएनएक्स मीडिया निवेश मामले में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम को आज भी कोई राहत नहीं दी। शीर्ष अदालत ने कार्ति के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की ओर से जारी लुकआउट सर्कुलर (एल.ओ.सी.) पर रोक लगाने से इंकार कर दिया। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 सितंबर की तारीख तय करते हुए कहा कि लुकआउट सर्कुलर फिलहाल जारी रहेगा।

सीबीआई ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कार्ति के खिलाफ जांच जारी है। उनकी विदेशों में करीब 25 संपत्तियां हैं और जांच अभी नाजुक दौर में है इसलिए लुक आउट सर्कुलर पर किसी तरह की रोक नही लगाई जाए। उधर कार्ति की ओर से दलील दी गई कि सी.बी.आई. जांच के नाम पर उन्हें, उनके पिता और मां को प्रताड़ित किया जा रहा है। सी.बी.आई. के सारे आरोप बेबुनियाद हैं। याचिकाकर्ता की दलील थी कि उनकी एवं उनके परिवार की सारी संपत्तियों का ब्यौरा आयकर विभाग के पास है। अगर विदेशों में उनकी कोई भी संपत्ति है तो उसे सरकार जब्त कर ले। इन आरोपों का लुक आउट सर्कुलर से कोई लेना देना नहीं होना चाहिए। कार्ति के खिलाफ पीटर मुखर्जी और उनकी पत्नी इंद्राणी मुखर्जी के मीडिया समूह आईएनएक्स को नियमों को ताक पर रखकर विदेशी फंड मुहैया कराने का आरोप है। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने पिता के केंद्रीय वित्त मंत्री के पद पर रहते हुए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफ.आई.पी.बी.) से निवेश की मंजूरी दिलायी थी।

फरीदाबाद में बच्चे को स्कूल से अगवाकर रेप

मर्डर के बाद झाड़ियों में फेंका

फरीदाबाद। यहां के सीकरी गांव में 7वीं में पढ़ने वाले एक बच्चे की रेप के बाद हत्या कर दी गई। आरोपी उसकी बॉडी झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया था। इस हत्या का खुलासा 18 दिन बाद हुआ। पड़ोसी ही आरोपी निकला। पुलिस को मौके पर बच्चे का कंकाल मिला, जिसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, घटना सीकरी गांव के सीनियर सेकंड्री स्कूल की है। 7वीं में पढ़ने वाला 12 साल का स्टूडेंट 24 अगस्त को स्कूल गया था। छुट्टी के बाद घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों ने तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिला। उन्होंने बताया कि सीकरी चौकी में बच्चे की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई। पुलिस ने छानबीन शुरू की और परिवार वालों ने बच्चे के गुम होने के पोस्टर आसपास के इलाके में लगवा दिए।

फिरौती के लिए भी आया फोन

पुलिस तफ्तीश में जुटी थी, तभी 1 सितंबर को बच्चे के परिवार वालों के पास एक फोन आया, जिसमें फोन करने वाले ने बच्चे के एवज में फिरौती भी मांगी थी। परिवार वालों की शिकायत पर पुलिस ने फोन करने वाले को ढूंढ निकाला, लेकिन पता चला कि उसने बच्चे को अगवा नहीं किया था। पूछताछ में उसने बताया कि गुमशुदगी के पोस्टर देखकर उसके मन में फिरौती मांगने का ख्याल आया था।

दोबारा शुरू हुई आरोपी की तलाश

पुलिस ने दोबारा जांच शुरू की, तभी पता चला कि बच्चे के पड़ोस में रहने वाला सूरज नाम का शख्स भी उसी दिन से लापता है। पुलिस ने सूरज की तलाश शुरू की और उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

गला दबाकर की थी हत्या

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने बच्चे को लंच टाइम में स्कूल से बाहर बुलाया था। बहला-फुसलाकर उसे स्कूल के पीछे ले गया। उसके साथ रेप किया, फिर गला दबाकर हत्या कर दी। बॉडी वहीं झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया। इंस्पेक्टर हंसराज के मुताबिक, आरोपी की उम्र 18 साल है। कोर्ट में पेश कर उसे रिमांड पर लिया गया है।

स्कूल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप

इस घटना के बाद स्कूल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लग रहा है। इस घटना के सवाल पर स्कूल की प्रिंसिपल ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि वे दो दिन पहले ही ट्रांसफर होकर यहां आई हैं।

बैंक के बाहर व्यापारी के मुनीम से 10. 20 लाख की लूट

लखनऊ। पुलिस की गश्त तथा चुस्ती को बेकार साबित करते हुए बदमाशों ने लखनऊ में व्यापारी से मुनीम से दस लाख 20 हजार रुपए लूटे। बाइक सवार बदमाशों ने एचडीएफसी बैंक की शाखा के बाहर अपने काम को अंजाम दिया और बाइक से भाग निकले। अब आइजी जोन जेएन सिंह के साथ पुलिस की टीम बैंक में पड़ताल करने में लगी है। लखनऊ के अलीगंज थाना के पास नेहरू बाल वाटिका के करीब बेखौफ बदमाशों ने एचडीएफसी बैंक के बाहर दिनदहाड़े 10. 20 लाख रुपये लूट लिया। इसके बाद बाइक से फरार हो गए। व्यस्त मार्ग पर इस लूट से पुलिस के डॉयल 100 तथा गश्त की हकीकत सामने आ गई। इस वारदात के बाद से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर आईजी रेंज जय नारायण सिंह, एसएसपी दीपक

कुमार, एएसपी ट्रांसगोमती हरेंद्र कुमार, सीओ अलीगंज डॉ. मीनाक्षी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इन सभी पुलिस अधिकारियों ने बैंक में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक किया और पूछताछ की। अब पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिये बदमाशों की तलाश में जुट गई है। वह अपने बेटे सचिन रस्तोगी के साथ सोमवार सुबह अलीगंज में नेहरू वाटिका के पास स्थित एचडीएफसी बैंक की शाखा में रुपये जमा करने आए थे। बेटे को बैंक के पास उतार कर वह चले गए। इसके बाद नौकर कमला नगर छठा मील निवासी विजय द्विवेदी व ड्राइवर सुशील शुक्ला के साथ रुपये जमा करने पहुंचे। उनका ड्राइवर आगे-आगे बैंक में घुस गया। वहीं पीछे नौकर के हाथ में रुपयों से भरा बैग था। सुबह करीब 10:20 बजे अपाचे बाइक सावर दो बदमाश आए और तमंचा लगाकर बैग लूटकर फरार हो गए।

अयोध्या में विवादित जमीन की निगरानी करने को नियुक्त होंगे पर्यवेक्षक

लखनऊ। अयोध्या में विवादित जमीन की निगरानी के लिए देश की शीर्ष अदालत भी बेहद गंभीर है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अयोध्या की विवादित जमीन की निगरानी के लिए दो न्यायमूर्ति को पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) नियुक्त होंगे। अयोध्या की विवादित जमीन की निगरानी के लिए अब नए ऑब्जर्वर नियुक्त होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा है कि वह 10 दिन में दो न्यायमूर्ति को ऑब्जर्वर नियुक्त करें। इनमें जिला जज, अतिरिक्त जज या स्पेशल जज हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने छह जिलों के जजों की सूची इलाहाबाद हाईकोर्ट को वापस भेजी है। इस बारे में बाबरी मस्जिद के पैरोकार मोहम्मद हाशिम की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दिया। कपिल सिब्बल ने मांग की थी कि पहले के ऑब्जर्वर टीएम खान और एसके सिंह को इस पद पर ऑब्जर्वर रहने दिया जाए। सिब्बल ने कहा कि यह

बीते 14 वर्ष से ऑब्जर्वर हैं। इस कारण ही बेहतर होगा कि उनसे पूछ लिया जाए कि क्या वे ऑब्जर्वर बना रहना चाहते हैं या नहीं। दरअसल यह सेशन जज थे, जिनमें एक टीएम खान रिटायर हो गए हैं और एसके सिंह हाईकोर्ट के जज बन गए हैं। ऑब्जर्वर हर दो हफ्ते में जगह का निरीक्षण कर वहां के हालात को बराबर देखते हैं।

लालू ने कहा-सृजन घोटाले में शामिल कई नेताओं के पास गर्लफ्रेंड हैं

भागलपुर। भागलपुर के सैंडिस मैदान में सृजन घोटाले पर महासंग्राम का एलान करते हुए राजद अध्यक्ष लालू यादव ने इसे महाघोटाला करार देते हुए व्यक्तिगत आरोप भी लगाए और इस दौरान शुचिता का भी ख्याल नहीं रखा। लालू ने कहा कि इसमें शामिल जितने भी नेता हैं, उनमें से अधिकतर की गर्लफ्रेंड हैं। हालांकि लालू ने सीधे तौर पर किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन के बारे में तीखी टिप्पणी की। लालू ने कहा कि एक महिला को केक खिलाते हुए उनकी तस्वीर उन्होंने देखी है। कुछ और नेताओं की भी महिलाओं के साथ तस्वीर देखी है। लालू ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी व्यक्तिगत आरोपों में घसीटा और समर्थकों के बीच कई सवाल उछाले। सृजन घोटाले में राज्य सरकार द्वारा बर्खास्त बिप्रसे की अधिकारी जयश्री ठाकुर का उल्लेख करते हुए लालू ने कहा कि जिसके खाते से सात करोड़ 32 लाख बरामद हुआ, उसका रखवाला सीएम हाउस में है। लालू ने भागलपुर विधायक अजित शर्मा को भी टारगेट किया और कहा कि हमने जिनको जिताया वे भी अब हाथ चमका के हमारे खिलाफ बोल रहे हैं। लालू ने दावा किया कि सृजन घोटाले से नीतीश और सुमो बच नहीं पाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लेते हुए राजद प्रमुख ने कहा कि कालाधन के नाम पर मोदी सरकार ने जनता का सारा पैसा बैंक में जमा करवा लिया। तेजस्वी ने सृजन घोटाले को लेकर नैतिक आधार पर नीतीश और सुमो से इस्तीफे की मांगी की। उन्होंने कहा कि जनता के सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किए बिना इस मामले से पर्दा नहीं उठेगा। नीतीश कुमार, सुशील मोदी, शाहनवाज हुसैन, निशिकांत आदि ने मिलकर सृजन के जरिए खजाना लूटा। सरकार में हमारे साथ रहते हुए नीतीश को घोटाला करने का मौका नहीं मिल रहा था। उन्हें घोटाला करने वाला पार्टनर चाहिए था। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े पुत्र तेजप्रताप यादव ने भागलपुर में सृजन के दुर्जनों का विसर्जन रैली जदयू नेता नीरज कुमार को महिषासुर बताया। कहा कि मेरी मां राबड़ी देवी इस महिषासुर का संहार करेंगी। उनके इस बयान पर नीरज कुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि लालू परिवार अपनी हद में रहे। सृजन के दुर्जनों का विसर्जन सभा को संबोधित करते हुए तेजप्रताप यादव अपने पिता लालू यादव के रंग में नजर आये।

दुनिया की 5 सबसे डरावनी जगहें, जहां दिखाई देते हैं भूत!

दुनिया बहुत बड़ी है और यहां घूमने लायक कई खूबसूरत जगहें है। दुनिया में खूबसूरत जगहों के साथ-साथ कुछ डरावनें प्लेस भी हैं जिसके बारे में सुनकर ही लोगों के मन में दहशत बैठ जाएगी। आइए जानिए दुनिया की सबसे डरावनी जगहों के बारे में

1. नरक द्वार - तुर्कमेनिस्तान

इस जगह पर एक गैस फील्ड थी जहां 40 साल पहले रूस के वैज्ञानिकों ने आग लगा दी थी। तब से आज तक यह जगह लगातार जल रही है लेकिन हैरानी की बात यह है कि यहां थोड़े-थोड़े समय के बाद हजारों की संख्या में मकड़ियां आ जाती हैं। आग के बावजूद भी इन मकड़ियों को कोई फर्क नहीं पड़ता।

2. ऑकिगहरा जंगल - माउंट फूजी, जापान

इस जगह को आत्महत्या जंगल भी कहा जाता है क्योंकि अपनी जिंदगी से परेशान लोग यहां आत्महत्या करने के लिए आते हैं। जापान के माउंट फूजी के उत्तर पश्चिम में स्थित यह इलाका एक सघन जंगल है। हर

साल करीब 100 लोग इस रास्ते पर कभी न लौटने के लिए चले जाते है जिस वजह से यहां नरकंकालों और खोपड़ियों का अंबार लगा हुआ है।

3. गुड़ियों का द्वीप - मेक्सिको

मैक्सिको की यह जगह जितनी खूबसूरत है उतनी ही डरावनी भी है। इस द्वीप पर जगह-जगह पेड़ों पर प्लास्टिक की डॉल्स लटकी नजर आती हैं जिससे यहां जाने से भूत बंगले जैसा महसूस होता है।

4. यूनियन सिमेट्री - कनेक्टीकट, अमरीका

यहां एक कब्रिस्तान है और लोगों का मानना है कि यहां एक भूतनी घूमती है जिसका नाम लोगों ने व्हाइट लेडी रखा है। यह भूतनी हमेशा सफेद गाउन पहने रहती है और इसे अक्सर सड़क पर देखा जाता है। लोगों का मानना है कि रात के समय यह भूतनी कई गाड़ियों से भी टकराती है लेकिन फिर भी लोग सलामत नजर आते हैं।

5. द व्हेली हाउस - सैन डियेगो

इस हवेली में रहने वाले लोगों की रहस्यमयी मौतों के बाद यह बिल्डिंग काफी चर्चा में रही है। इस हवेली में जो भी कोई रहने आता है वह व्हेली की आत्मा को देखने का दावा करता है। व्हेली जो इस हवेली में रहने वाली एक लड़की थी उसने जहर पी कर खुद को मार डाला था।

वाह! यहां तो बिल्लियों के लिए भी चलती है स्पेशल ट्रेन

कुछ लोगों को घर में जानवर पालने का बहुत शौंक होता है। कहीं घूमने जाना हो तो वह अपने पालतू को घर पर छोड़ने की बजाय अपने साथ सफर करवाना अच्छा समझते हैं। कुछ देश ऐसे हैं जहां पर जानवरों को पब्लिक ट्रासपोर्ट में लेकर जाना मना होता है। जिसके चलते मालिक इनको अपने साथ सफर नहीं ले जा सकते। जानवरों खासकर बिल्लियों के लिए लोगों के प्यार को देखते हुए जापान ने एक ट्रेन शुरू की है। इस ट्रेन में लोग अपनी बिल्लियों के साथ सफर कर सकते हैं। इसके अलावा वो लोग भी इसमें सफर कर सकते है जिनके पास अपनी खुद की बिल्ली नहीं है लेकिन वह उनके

साथ सफर करना चाहते हैं। आप भी बिल्लियों के साथ सफर करना चाहते हैं तो जापान की कैट कैफे नाम की इस ट्रेन का लुत्फ उठा सकते हैं। इस दिन के पहले दिन 40 यात्रियों ने सफर किया,जिसमें 30 लोगों के पास अपनी बिल्लियां थी। इस ढाई घंटे के सफर की खास बात यह रही की लोगों ने इन बिल्लियों के साथ खूब एंज्वाय किया। जापान की इस पहल के पीछे बिल्लियों की हत्या पर रोक लगाना है।

इस गुफा में छुपा दुनिया के अंत का सच, दूर-दूर से देखने आते है पर्यटक

आपने कई रहस्मयी गुफाओं बारे में सुनी और देखा होगा लेकिन आज हम आपको ऐसी गुफा के बारे में जिसके बारे में सुन कर आप हैरान हो जाएंगे। उत्तराखंड, कुमाऊं मंडल के गंगोलीहाट कस्बे में स्थित इस गुफा के बारे में कहा जाता है कि इसमें दुनिया के खत्म होने का राज छुपा है। आइए जानते है इसके बारे में कुछ और दिलचस्प बाते। पाताल भुवनेश्वर के नाम से जानी जाने वाली यह गुफा भगवान शिव का निवास स्थान मानी जाती है। कहां जाता है कि यहां पर सभी भगवान आकर शिव जी की पूजा करते थे। गुफा के अंदर जाने पर आपको इसका कारण भी समझ में आ जाएगा। गुफा के अंदर जाने वाले इतना संकरा है कि आपका जाना मुश्किल हो जाता है। अंदर जाते समय आपको इसकी दीवारों पर एक हंस की आकृति दिखाई देगी। लोगों का मानना है की यह ब्रह्मा जी का हंस है। यहां

पर आपको एक साथ केदारनाथ, बद्रीनाथ, अमरनाथ के दर्शन करने को मिलते है। गुफा के अंदर 33 करोड देवी देवताओं की आकृति के अलावा शेषनाग का फन नजर आएगा। इस गुफा में बने खंभ चार युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग तथा कलियुग को दर्शाते है। कलयुग खंभ की लंबाई बाकी तीन से लंबी है और इसके ऊपर छत से एक पिंड नीचे लटक रहा है, जिसमें एक गहरा रहस्य छुपा है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। घर-परिवार की चिंता रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। धनलाभ का योग है।

सिंह
धर्म-कर्म में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। यात्रा मनोरंजक होगी।

धनु
विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

वृष
विवाद से बचें। व्ययवृद्धि हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

कन्या
चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

मकर
परिश्रम अधिक होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी सूचना मिल सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में निर्धारित कार्य पूरे नहीं होंगे।

मिथुन
रुका हुआ धन मिल सकता है। यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

तुला
राजकीय बाधा दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। निवेश, नौकरी व यात्रा मनोनुकूल रहेंगे। प्रमाद न करें। आलस्य नहीं करें।

कुंभ
रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनार्जन होगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। धार्मिक कार्यक्रमों में सपरिवार भाग लेंगे।

कर्क
योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक
संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेचैनी रहेगी। जोखिम न लें। व्यवसाय में नया अनुबंध होगा।

मीन
पुराने मित्रों व संबंधियों से मुलाकात होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। नौकरी में कार्यभार कम होने से आराम रहेगा।

यहां महिलाएं कटवा लेती है अपना शरीर

शायद ही दुनिया में कोई ऐसी लड़की होगी जो खूबसूरत न दिखना चाहती हो। आजकल तो लड़कियां अपनी सुंदरता को निखारने के लिए नए-नए तरीके ढूढ़ती रहती है। कुछ देशों में तो खूबसूरत दिखने के लिए महिलाओं को अजीबो-गरीब अत्याचार भी सहने पड़ते है। आज हम आपको इथोपिया के ऐसे ही कुछ रीति-रीविजों के बारे में बताएंगे, जहां महिलाओं को ब्लेड से काटा जाता है। यह परंपरा इथोपिया के सुरमा जनजाति की है। इस समुदाय का कहना है कि ब्लेड से घाव करने पर लड़कियां खूबसूरत दिखती हैं। यहां की महिलाओं के शरीर पर ब्लेड से अलग-अलग तरह की आकृतियां बनाई जाती है, ताकि वह खूबसूरत दिख सकें। इसके अलावा इस समुदाय के लोगों का कहना है जो लड़की इस दर्द को चुपचाप सह लेती है वह अच्छी पत्नी बन सकती है।

दरअसल, यहां लड़कियों को मजबूरन अपना शरीर ब्लेड से कटवाना पड़ता है क्योंकि यहां के लड़कों को ऐसी औरते नहीं पसंद आती जिनके शरीर पर ब्लेड के घाव न बने हो। यह घाव पैटर्न पर किए जाते हैं जिससे घाव करने पर डिजाइन बन जाए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना पीएं तांबे के बर्तन का पानी
कई हैल्थ प्रॉब्लम्स होगी दूर

तांबे के बर्तन में पानी पीते आपने बहुत सारे लोगों को देखा और सुना होगा। आयुर्वेद में तांबे के बर्तन में पानी पीना बेहद सेहतमंद बताया गया है क्योंकि तांबे का पानी शरीर में तीनों दोषों (वात, कफ और पित्त) को संतुलित रखने में सक्षम है। यह पानी शरीर के कई रोग बिना दवा के ठीक करने की क्षमता रखता हैं और शरीर के जहरीले तत्वों को बाहर निकालता हैं। रात को तांबे के बर्तन में संग्रहित पानी को ताम्रजल के नाम से जाना जाता है हालांकि इस पानी का स्वाद थोड़ा अलग होता है लेकिन यह पानी कभी बासी नहीं होता। इस बर्तन में पानी पीने के बहुत सारे फायदे हैं, जिनके बारे में काफी लोग नहीं जानते।

-कैंसर लड़ने में सहायक
इस पानी में एंटी-आक्सीडेंट गुण कैंसर से लडने की शक्ति प्रदान करते हैं। अध्यन के अनुसार, तांबे में कैंसर विरोधी प्रभाव मौजूद होते है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ने में शरीर की मदद करते हैं।

-वजन घटाए
बदलते लाइफस्टाइल और गलत खान-पान की वजह से कम उम्र में वजन बढ़ना आजकल एक आम समस्या हो गई है। अगर आप भी बढ़े हुए वजन से परेशान हैं तो एक्सरसाइज के साथ ही तांबे के बर्तन में रखा पानी पीएं। इससे अतिरिक्त वसा कम हो जाती है।

- पेट की समस्या
बेवक्त खाना या फिर फास्ट फूड का अधिक सेवन करने से आजकल लोगों को पेट संबंधित कई परेशानियां का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप रोज सुबह खाली पेट तांबे के बर्तन में रखा पानी पीएं तो आपको 'डायरिया' और पेट की अन्य बीमारियां नहीं होगी। इसके अलावा यह पाचन क्रिया को भी सही ढंग से काम करने में मदद करता है।

-ग्लोइंग स्किन
अगर आप स्किन पर फाइन लाइन को लेकर परेशान है तो तांबे के बर्तन में पानी जरूर पीएं। इससे नई कोशिकाएं पैदा होती है, जिससे मुंहासे और स्किन संबंधित कोई समस्या नहीं होती। इसके अलावा त्वचा में निखार आता है।

- यादाशत मजबूत
हर रोज तांबे के बर्तन में रखा पानी पीना दिमाग के लिए बहुत लाभकारी होता है। इस पानी से याददाशत तेज होता है।

- पाचन क्रिया बेहतर
रात के समय तांबे के बर्तन में पानी डालकर रख दें और सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पाचन क्रिया में सुधार होता है। रोजाना इस पानी को पीने से पेट दर्द, गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

- थाइराइड पर नियंत्रण
शरीर में हार्मोस असंतुलन के कारण ही थाइराइड की बीमारी होती है,जिससे या तो वजन तेजी से घटता है या बढ़ता है। तांबे के बर्तन में रखा पानी पीने से थाइराइड के हार्मोस नियंत्रित रहते हैं।

- गठिया
तांबे में एंटीएफ्लामेंट्री गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करते हैं। इस पानी को पीने से हड्डियां मजबूत होती हैं। यह शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालते हैं जिससे जोड़ों के दर्द और सूजन से राहत मिलती है।

- एनीमिया
ज्यादातर भारतीय महिलाओं में खून की कमी पाई जाती है, जिससे सेहत से जुड़ी बहुत- सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एनिमिया के रोगी को तांबे के बर्तन में पानी पीने से लाभ होता है। तांबा डाइट में शामिल आयरन को आसानी से सोख लेता है,जिससे शरीर में जल्दी ही खून की कमी पूरी हो जाती है।

- दिल रखे स्वस्थ्य
तांबे का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। यह ब्लड प्रैशर को नियंत्रित रखता है और बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार है। जिससे दिल से जुडी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

- शरीर की आंतरिक सफाई
शरीर को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी है। इससे बीमारियां दूर और शरीर स्वस्थ्य रहता है। इससे हानिकारक बैक्टिरिया बॉडी से बाहर निकल जाते हैं, जो किडनी और लिवर को साफ रखता है।

- ध्यान रखें ये बातें
तांबे के बर्तन में कम से कम 8 घंटे तक रखा पानी ही लाभदायक होता है। जिन लोगों को सर्दी-जुकाम की समस्या आम रहती है उनको इस पानी में तुलसी के कुछ पत्ते डाल देने चाहिए।

इन चीजों को एक साथ खाना सेहत के लिए है नुकसानदायक

खाना खाते समय भी छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना बहुत जरुरी होता है। टेस्टी खाना देखते ही आप भूल जाते है कि खाना खाने के भी कुछ नियम होते है। खाते समय खाने सही कॉम्बिनेशंस न होने पर आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कुछ चीजें ऐसी होती है जिसे एक-साथ खानेसे सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आयुर्वेद में भी इन चीजों को एक साथ खाने के लिए मना किया गया है। आइए जानते है किन चीजों को एक साथ खाने से सेहत को नुकसान हो सकता है।

1. कोल्ड्रिंक के बाद पान मसाला
कोल्ड्रिंक पीने के पहले या बाद में पिपरमेंट युक्त पान मसाला खाना आपके लिए जहर के बराबर हो सकता है। कोल्ड्रिंक के बाद पान मसाला खाने से शरीर में साइनाइड नामक खतरनाक कैमिकल बनता है जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

2. दूध के साथ दही और प्याज का सेवन
दूध के साथ या बाद में दही या प्याज का सेवन करने से दाद, खाज, खुजली, एग्जिमा, सोराईसिस, त्वचा और पेट से संबधित समस्याएं हो सकती है। इसके अलावा दूध के साथ खट्टी चीजें खाने से एसिडिटी की प्रॉब्लम हो जाती है।

3. दही के साथ मछली, पराठा और उड़द की दाल
दही की तासीर ठंडी होने के कारण इसके साथ गर्म चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। दही के साथ पराठे, मछली और उड़द की दाल का सेवन करने से सेहत को नुकसान हो सकता है। इससे आपको दिल से संबधित रोग होने का डर रहता है।

4. भोजन के साथ फल
कुछ लोग खाना खाने के तुरंत बाद फलों का सेवन कर लेते है लेकिन इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। भोजन के तुरंत बाद नीबू, संतरा, अनानास आदि खट्टे फल खाने से कार्बोहाइड्रेट या स्टार्च की पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। जिससे आपको कब्ज, डायरिया या अपच की शिकायत हो सकती है।

5. चिकन के साथ मिठाई
चिकन खाने के बाद कोल्ड्रिंक, जूस या मिठाई खानेसे वो ठीक से पचता नहीं है । इसके कारण आपका पेट खराब हो सकता है। अगर आप भी चिकन खाने के साथ इन चीजों को खाने का शौक रखते है तो अपनी इस आदत को बदल दें।

6. आलू और चावल
अक्सर आलू खाने के शौकिन लोगों को वो चावल के साथ ज्यादा अच्छे लगते है लेकिन इन्हें एक साथ खाने से सेहत को नुकसान हो सकता है। इन्हें एक साथ खाने से आपको कब्ज की समस्या हो सकती है।

क्या आप भी खाते है ज्यादा चावल? झेलने पड़ेंगे ये नुकसान

चावल लगभग हर कोई खाना पसंद करता है। लोग भले की रात को चावल अवाइड कर देते हो लेकिन दोपहर के समय चावल तो जैसे उनकी फेवरेट डिश होती है। चावल खाने से पेट को भर ही जाता है लेकिन भूख भी बार-बार लगने लगती है। ज्यादा मात्रा में चावल का सेवन करने से शरीर को कई तरह से नुकसान भी पहुंच सकता है। अगर आप भी ज्यादा चावल का सेवन करते है तो इससे होने वाले नुकसान के बारे में जान लें।

डायबिटीज
एक कटोरी पके हुए चावल में कम से कम 10 चम्मच के बराबर कैलोरी होती है। रोजाना इसका सेवन करने से डायबिटीज का खतरा रहता है।

मोटापा
पके हुए चावल में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा भी अधिक होती है जो वजन बढ़ाने का काम करती है।

ओवर ईटिंग
वैसे तो चावल खाने से पेट जल्दी भर जाता है और यह आसानी से पच भी जाता है। लेकिन इनको खाने से बार-बार भूख लगने लगती है।

कम न्यूट्रिएंट्स
सफेद चावल में न्यूट्रिएंट्स की मात्रा काफी कम होती है, जिस वजह से शरीर को जरूरी विटामिन्स और न्यूट्रिएंट्स नहीं मिल पाते।

कमजोर हड्डियां
व्हाइट चावल में विटामिन सी की मात्रा कम होती है, जिस वजह से हड्डियों को कोई फायदा नहीं मिल पाता।

पाचन शक्ति में प्रॉब्लम
सफेद चावल में फाइबर्स की मात्रा काफी कम होती है। इनको ज्यादा मात्रा में खाने से पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है।

जडेजा ने ट्वीट के जरिए निकाली भड़ास

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले तीन वनडे मैचों के लिए रविवार को राष्ट्रीय चयन समिति ने टीम इंडिया का एलान किया। 16 सदस्यीय टीम में उमेश यादव और मो. शमी की वापसी हुई है। इस टीम में रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा को मौका नहीं दिया गया है। फिलहाल अश्विन काउंटी क्रिकेट में व्यस्त हैं। जडेजा ने टीम में शामिल नहीं किए जाने का दर्द सोशल मीडिया पर ट्वीट के जरिए प्रकट किया, लेकिन बीसीसीआई के डर के मारे उसे डिलीट कर दिया। रविवार का दिन जडेजा के लिए अच्छा नहीं रहा। उन्हें एक दिन में दो बुरी खबरें सुनने को मिली। पहला तो उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे टीम में जगह नहीं मिली। दूसरी तरफ आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भी जडेजा दूसरे पायदान पर खिसक गए। इससे पहले रवींद्र जडेजा इस लिस्ट में पहले नंबर पर काबिज थे। टीम इंडिया के ऑलराउंडर जडेजा सिलेक्शन कमेटी के इस फैसले से खुश नजर नहीं आ रहा हैं। जिसके बाद उनका ये दर्द सोशल मीडिया पर भी निकल पड़ा। जडेजा ने खुद का चयन नहीं होने पर सोशल

मीडिया के जरिए अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने सोशल मीडिया पर इशारों-इशारों में साफ कर दिया कि उन्हें वनडे के लिए आराम नहीं दिया गया बल्कि टीम इंडिया से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। जडेजा ने ट्विटर पर अपने घोड़े साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, "अपनी असफलताओं से अपनी वापसी को मजबूत बनाओ। जडेजा को शायद ये बात जल्द ही समझ आ गई की उनके इस ट्वीट से बीसीसीआई नाराज हो सकता है, इसलिए उन्होंने इस ट्वीट को डिलीट कर दिया। हालांकि मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने कहा कि टीम में अभी रोटेशन पॉलिसी चल रही है इसलिए अश्विन और जडेजा को आराम दिया गया है। अक्षर, कुलदीप और चहल ने श्रीलंका में अच्छा प्रदर्शन किया था तो उनकी जगह टीम में बनती ही है।

टीम : विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, शिखर धवन, केएल राहुल, मनीष पांडे, केदार जाधव, अजिंक्य रहाणे, महेंद्र सिंह धोनी, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, उमेश यादव, मो. शमी।

वनडे टूनामेंट के लिए अंडर-19 टीम में चुने गए अर्जुन तेंदुलकर

नई दिल्ली/मुंबई। क्रिकेट फैंस के लिए अब वो दिन दूर नहीं लगता जब उन्हें मैदान पर एक फिर तेंदुलकर नाम नजर आए। जी हां हम बात कर रहे हैं लिजेंड सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुल तेंदुलकर की। अर्जुन को मुंबई की अंडर-19 टीम के लिए चयनित किया गया है। 17 साल के अर्जुन बड़ौदा में होने वाले जेवाई ऑल इंडिया अंडर-19 इनविटेशनल वनडे टूनामेंट में भाग लेंगे। ये अंडर-19 टूनामेंट 15 सितंबर से 23 सितंबर तक खेला जाएगा। अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यहां तक पहुंचे अर्जुन इससे पहले मुंबई की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं। जहां पर उनका प्रदर्शन सम्मानजनक थ। दश का ये उभरता हुआ सितारा ऑल-राउंडर है। हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड की टीम के बल्लेबाजों को नेट्स में प्रैक्टिस भी करवाई थी। जिस दौरान उनकी पहली तेज गति की यॉर्कर पर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। ये गेंद सीधे बेयरस्टो के टखने में लगी जिसके बाद उनके

आराम की सलाह दी गई थी। इससे पहले भी अर्जुन कई बार इंग्लिश टीम के साथ नेट प्रैक्टिस में शामिल रहे हैं। इतना ही नहीं अकसर अर्जुन इंग्लैंड में प्रैक्टिस करने जाते हैं। हाल ही में इंग्लैंड में खत्म हुए आईसीसी महिला विश्वकप के दौरान अर्जुन ने टीम इंडिया की महिला खिलाड़ियों को बल्लेबाजी प्रेक्टिस करवाई थी। अंडर 19 टीम में चुने जाने के बाद अब अर्जुन के बाद मुंबई की रणजी टीम में पहुंचने का सुनहरा मौका है। अगर वो इस टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए तो फिर उनको लेकर सलेक्टर्स में चर्चा जरूर होगी। इससे पहले भारतीय टीम के अंडर-19 बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने भी रणजी ट्रॉफी में शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनाई थी। जिसके बाद उन्हें टीम में जगह मिली। उनका डेब्यू भी अर्जुन की तरह ही 17 साल की उम्र में हुआ था।

मुंबई अंडर-19 टीम इस प्रकार है

अग्नि चोपड़ा, दिव्यांश सक्सेना, भूपेन लालवानी, अंजदीप लाड, सागर छाबड़िया, शोएब खान, सत्यलक्ष्य जैन, वेदांत मुरकार, ध्रुव ब्रिद, तानुष कोटियान, नकुल मेहता, फरहान काजी, अथर्व अंकोलेकर, अभिमन्यु वशिष्ठ, अर्जुन तेंदुलकर, सक्षम पराशर, सक्षम झा, सिल्वेस्टर डिसूजा।

सीरीज से पहले ही ऑस्ट्रेलिया को झटका

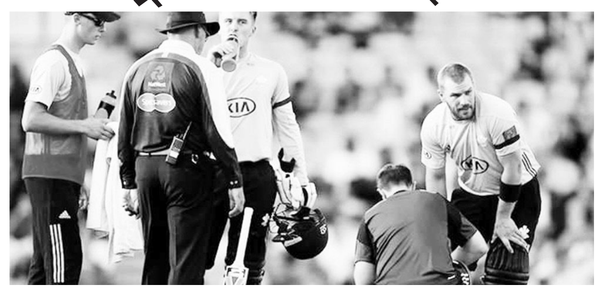

नई दिल्ली। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को झटका लगा है। आज 12 सितंबर को टूर का पहला मैच खेला जाएगा। ये प्रैक्टिस मैच ऑस्ट्रेलिया और भारत की बोर्ड इलेवन टीम के बीच होगा। इसमें दिग्गज कंगारू बैट्समैन एरॉन फिंच नहीं खेल पाएंगे।

उन्हें पहले ही मैच से बाहर कर दिया गया है। इसका कारण उनके पैर की चोट है। एरॉन फिंच को ये इंजरी करीब 6 हफ्ते पहले हुई थी। तब वो इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे। फिंच अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता, इसलिए उन्हें प्रैक्टिस मैच से दूर रखा गया है। उम्मीद है कि वो 17 सितंबर से शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले फिट हो जाएंगे। रविवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम चेन्नई पहुंची थी। तब से फिंच अपनी टीम के फिजियो के साथ ही ज्यादा वक्त बिता रहे हैं। बता दें कि भारत दौरा शुरू होने से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने प्लेयर्स के चोटिल होने से परेशान है।

विश्व एकादश का पाकिस्तान आना क्रिकेट दौरे से अधिक महत्वपूर्णः डु प्लेसिस

कराची। विश्व एकादश के कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने कहा कि उनका पाकिस्तान दौरा सिर्फ एक श्रृंखला में खेलना भर नहीं है बल्कि इससे कहीं ज्यादा है जिसमें खेल प्रशंसकों को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देखने को मिलेगा और इससे यहां क्रिकेट की वापसी होगी। डु प्लेसिस ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, यह सिर्फ क्रिकेट के बारे में नहीं है। यह संक्षिप्त दौरा इससे कहीं ज्यादा बढ़कर है। हम खुश हैं कि इतने लंबे समय बाद पाकिस्तानी क्रिकेटरों को घरेलू मैदान पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देखने का मौका मिलेगा। विश्व एकादश की टीम आज तड़के दुबई से लाहौर पहुंची, जहां पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन नजम सेठी और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। डु प्लेसिस ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, आप हमेशा ऐसी चीजें ढूंढने की कोशिश करते हो जिससे आपको छाप छोड़ने में मदद मिले और यह इसी तरह का मौका दिखता है। उन्होंने कहा, बतौर क्रिकेटर, कुछ वर्षों बाद, मैं पीछे मुड़कर देखूंगा और कहूंगा कि मैंने पाकिस्तान में क्रिकेट की वापसी में अपनी भूमिका अदा की।

आयोजन समिति को अगले सप्ताह सौंपे जाएंगे अंडर-17 विश्व कप के स्टेडियम

नई दिल्ली। अगले महीने होने वाले अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप के लिए सभी तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं और स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) के शीर्ष अधिकारी के अनुसार इसमें 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान अंतिम समय में स्टेडियमों के पूरा होने को लेकर हुई अफरातफरी देखने को नहीं मिलेगी। अंडर-17 विश्व कप छह से 28 अक्तूबर तक छह शहरों में खेला जायेगा लेकिन उतने भव्य स्तर पर नहीं होगा जैसे 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था। फिर

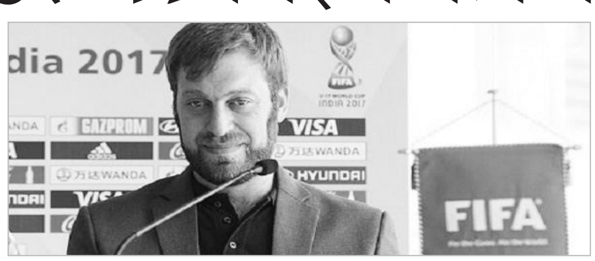

भी यह प्रतिष्ठित वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट है और देश में पहला फीफा टूर्नामेंट है। वर्ष 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान निर्माण कार्य में देरी हुई थी लेकिन फीफा अंडर-17 विश्व कप स्थानीय आयोजन समिति के निदेशक जेवियर सेप्पी ने कहा कि फुटबाल प्रतियोगिता की तैयारियां कार्यक्रम के अनुसार ही चल रही हैं। सेप्पी ने कहा, पिछले तीन वर्षों में, हम हितधारकों के साथ इस टूर्नामेंट की तैयारियों में जुटे हैं जिसमें राज्य और केंद्र सरकार शामिल हैं। हम समझते हैं कि यहां अंतिम मिनट में तैयारी और अंतिम समय में दौड़भाग की प्रवृति है। लेकिन सौभाग्य से यह कम से कम यहां इस टूर्नामेंट में दिखायी नहीं देता। उन्होंने कहा, हमें टूर्नामेंट के संचालन को लेकर कोई ढ्रूषचता नहीं दिखती। कुछ मामूली सी चीजें लंबित हैं। हम अब परिचालन चरण में हैं जैसे गोल पोस्ट लगाना, कैमरा प्लेटफार्म, फर्नीचर। कार्यक्रम के मुताबिक सभी स्टेडियम छह अक्तूबर को टूर्नामेंट शुरू होने से दो हफ्ते पहले आयोजकों को सौंप दिये जायेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भंसाली और रणवीर में सिनेमा के प्रति एक जैसा जुनून है : अदिति

जाह्नवी कपूर इस फिल्म से बॉलीवुड में करेंगी डेब्यूजाह्नवी कपूर जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने जा रही है। करीब 50 दिन बाद वह बॉलीवुड सफर पर निकलेंगी। श्रीदेवी और बोनी कपूर की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर, मराठी की ब्लॉकबस्टर सैराट के हिंदी रीमेक से अपने कैरियर की शुरूआत करेंगी। फिल्म के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं और ये फिल्म इसी साल नवंबर के शुरू में फ्लोर पर जाएगी। फिल्म में जाह्नवी के अपोजिट शाहिद कपूर के भाई ईशान खट्टर हैं। जानकारी के मुताबिक करन जौहर ने नागार्जुन मंजुले की मराठी फिल्म सैराट के हिंदी रीमेक के राइट्स पहले ही ले लिए थे। उनकी धर्मा प्रोडक्शन इस फिल्म को प्रोड्यूस करेगी और शशांक खेतान फिल्म को डायरैक्ट करेंगे। शशांक ने इससे पहले हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और बद्रीनाथ की दुल्हनिया का निर्देशन किया है।

मेरे लिए बेहतर काम करना और अपने काम में सुधार लाना चुनौतीपूर्ण :श्रद्धा

कंगना की फिल्म 'सिमरन' पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची

बॉलीवुड एक्ट्रैस कंगना रनौत की आने वाली फिल्म 'सिमरन' 15 सितंबर को रिलीज होने वाली है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को दस कट दिए हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में इस्तेमाल अभद्र शब्दों को कट करने लिए कहा गया है। सेंसर बोर्ड का कहना है, 'महिला का अपमान करने वाले शब्द या इशारों को फिल्म से हटाया जाना चाहिए।' मीडिया रिपोट्र्स की मानें तो फिल्म में इंटीमेट सींस के दौरान इस्तेमाल हुए बैकग्राउंस म्यूजिक की टोन को भी हल्का रखने की सलाह मेकर्स को दी गई है। इन कट के साथ फिल्म को व/अ सर्टिफिकेट दिया गया है। कंगना के जबरदस्त प्रमोशन और फैंस की बेसब्री के बीच अब देखना ये होगा कि फिल्म कितना धमाल मचा पाती है।

बॉलीवुड एक्ट्रैस श्रद्धा कपूर का कहना है कि मेरे लिए बेहतर काम करना और अपने काम में सुधार लाना चुनौतीपूर्ण है। अपनी आगामी फिल्म हसीना पारकर के प्रचार में व्यस्त श्रद्धा से पूछा गया कि वह रोमांटिक फिल्मों या भावनात्मक व सशक्त किरदार वाले फिल्मों में से किसे करना ज्यादा पसंद करती हैं। इस पर उन्होंने यहां से कहा, हर फिल्म की अपनी चुनौती होती है। मैं यह नहीं कह सकती कि प्रेम कहानी वाली फिल्म करना ज्यादा मुश्किल होता है या भावनात्मक फिल्में करना ज्यादा मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि मेरे लिए बेहतर काम करना और अपने काम में सुधार लाना चुनौतीपूर्ण है।हसीना पारकर के बाद श्रद्धा भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की बायोपिक में काम करने जा रही हैं। साथ ही वह साहो में प्रभाष के साथ नजर आएंगी। इन दोनों फिल्मों के बारे मेंअभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अभी तक साइना की शूटिंग नहीं शुरू की है और वह इस फिल्म में अपने किरदार को लेकर तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब वह साहो की शूटिंग करेंगी। फिल्म की शूटिंग हिंदी और तेलुगू में होगी।